



@vishwakesariTV

@vishwakesari

vishwa kesari official

@VishwaKesari



नवरात्र
पांचवां
दिन
माता
स्कंदमाता

विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल छत्तीसगढ़ हॉकी लीग: टीमों की अगुवाई करेंगे हॉकी...

@ विचार यमन में सऊदी-हूती संघर्ष...

@ व्यापार शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

दिव्यांगजनों को अब जन्म से पेंशन

केन्द्रीय कैबिनेट का फैसला, 11.40 लाख रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों का दिवाली बोनस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए कुल 53,428 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट के फैसले के तहत योजना और इसकी विभिन्न उप-योजनाओं के नाम बदले जाएंगे, दिव्यांगजन पेंशन योजना में पात्रता मानदंड और सहायता राशि में संशोधन किया जाएगा, जबकि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और परिवारिक लाभ योजनाएं मौजूदा स्वरूप में जारी रहेंगी।

सरकार के अनुसार, इस फैसले से देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 3.20 करोड़ लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। ग्रामीण विकास विभाग अगले तीन महीनों के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश जारी करेगा और उन्हें लागू किया जाएगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता



योजना' किया जाएगा, जिसके तहत मौजूदा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना का नाम प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना और राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना का नाम प्रधानमंत्री परिवार लाभ

योजना रखा जाएगा।

बयान के अनुसार, कैबिनेट ने दिव्यांगजन पेंशन योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। अब 0 से 79 वर्ष तक के दिव्यांग लाभार्थियों को 375 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को 625 रुपए प्रति माह की सहायता दी जाएगी।

इसके साथ ही पात्रता मानदंडों में भी

राहत दी गई है। अभी तक योजना का लाभ पाने के लिए 80 प्रतिशत दिव्यांगता जरूरी थी, जिसे घटाकर 40 प्रतिशत बेंचमार्क दिव्यांगता कर दिया गया है। इसके अलावा, दिव्यांग पेंशन के लिए न्यूनतम आयु की शर्त भी समाप्त कर दी गई है और अब जन्म से दिव्यांग व्यक्ति भी इस योजना के दायरे में आ सकेंगे।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि वृद्धावस्था पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना और परिवार लाभ योजना वर्तमान स्वरूप में ही जारी रहेंगी। इन योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को पहले की तरह सहायता मिलती रहेगी।

कैबिनेट ने बयान में आगे बताया है कि राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम की शुरुआत 15 अगस्त 1995 को की गई थी, जिसका उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 41 में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना था। केंद्र सरकार इस योजना के तहत 100 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता देती है ताकि देशभर में पात्र लाभार्थियों को समान रूप से सहायता उपलब्ध हो सके।

प्रदर्शनकारी छात्रा का आरोप पुलिस ने प्राइवेट पार्ट में मारा, राहुल गांधी से मिले युवा प्रदर्शनकारी



नई दिल्ली। एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल ने सभी के साथ मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें छात्रों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट और हिरासत में ज्यादाती करने के आरोप लगाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एनएसयुआई के छात्र, कार्यकर्ताओं और कंटेनट क्रिएटर्स ने अपने साथ घटनाएं बताईं। एक छात्र ने प्राइवेट पार्ट पर लात मारने का आरोप लगाया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा अदिरा ने दावा किया कि पुलिस की पिटाई से उसके एक कान से सुनने की क्षमता चली गई। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस क्रस और भाजपा से जुड़े लोगों के कहने पर प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही थी।

कान काटकर खा गए और जमानत मांग रहे हो: सुप्रीम कोर्ट



एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि आपने उसका कान काटा और खा

गए। जस्टिस जेबी पादरीवाला और के विनोद चंद्रन की बेंच झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रांची में जन्माष्टमी की रात हुई हिंसक झड़प के मामले में राजीव कुमार रंजन को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

आरोपी के वकील ने दलील दी कि पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था, जो एक रात बढ़ गया। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई थीं। आरोपी के वकील ने कहा कि यह घटना जन्माष्टमी की रात हुई थी, जब लोग जश्न मना रहे थे।

कोर्ट ने टिप्पणी की, 'आपने पहले बंदूक निकाली, फिर उसका कान पकड़ा और पूरा कान काट लिया और अब आप अग्रिम जमानत चाहते हैं?'

आरोपी ने खुद को बताया पीड़ित आरोपी के वकील ने दावा

किया कि इस झड़प में उनके क्लाइट की भी पिटाई हुई थी। उन्होंने कहा कि उसे जमीन पर दबा दिया गया, उसके हाथ-पैर पकड़ लिए गए और उसकी छाती पर कट का निशान आया। इस पर कोर्ट ने पूछा, 'क्या आप मानते हैं कि लड़ाई हुई थी?'

वकील ने जवाब दिया, 'हां, लड़ाई हुई थी और कहा कि और क्लाइट जांच में सहयोग करने को तैयार है।' हालांकि कोर्ट इन दलीलों से संतुष्ट नहीं हुआ और अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। राजीव रंजन कुमार के खिलाफ 2024 में रांची के अरगोड़ा पुलिस स्टेशन में सन्नद्ध दर्ज की गई थी। उन पर भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तरह आरोप लगाए गए, जिसमें धारा 118 भी शामिल है। यह धारा खतरनाक हथियारों या औजारों से जान-बूझकर चोट पहुंचाने या गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित है। हाई कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत झारखंड हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित के सिर और चेहरे पर कई गंभीर घाव थे।

सऊदी अरब में भारतीयों की तादाद ठीक-ठाक, दूतावास कर रहा हरसंभव मदद : विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब पर हो रहे मिसाइल हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक नागरिक या सार्वजनिक ठिकानों को निशाना बनाना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। बिगड़ते हालात के भारतीय

दूतावास की तरफ से अपने नागरिकों को पहुंचाई जा रही हरसंभव मदद का भी उल्लेख किया।

बुधवार को पाक्षिक प्रेस ब्रीफिंग में एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रियाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर हुए हमले को लेकर कहा, 'सऊदी अरब पर कई हमले हुए हैं। कल अरामको



मुख्यालय पर भी हमला हुआ। हम सऊदी अरब में आम लोगों के बुनियादी ढांचे पर हुए ऐसे सभी हमलों की निंदा करते हैं। हमारा मानना है कि ये हमले तुरंत बंद होने चाहिए। ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। हम सऊदी अरब की संप्रभुता की रक्षा के लिए वहां की जनता और

सरकार के साथ खड़े हैं, और हमें उम्मीद है कि इस इलाके में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी। प्रवक्ता ने वहां रह रहे भारतीयों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'सऊदी अरब में हमारा दूतावास भारतीय समुदाय के लगातार संपर्क में है और उनकी

भलाई के लिए एडवाइजरी जारी की है। हवाई अड्डों पर हमलों के कारण उड़ानों के शेड्यूल पर असर पड़ा है, जिससे भारतीय एयरलाइंस, खासकर रियाद, दम्मम, मदीना और जेद्दा से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुई हैं। लेकिन कुछ सऊदी एयरलाइंस आ जा रही हैं।

'होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराकर जहाज डूबा '

एजेंसी ■ लंदन/ तेहरान

इरान की मीडिया में बुधवार को कुछ वीडियो साझा किए गए हैं। इसे लेकर आईआरजीसी (ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स) ने दावा किया है कि एक बारूदी सुरंग से टकराकर मालवाहक जहाज डूब गया। वहीं यूकेएमटीओ ने भी 2 जहाजों पर प्रोजेक्टाइल हमले की जानकारी दी है। ईरानी मीडिया आउटलेट तस्नीम ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि मालवाहक जहाज में 2500 कंटेनर थे। कथित तौर पर टक्कर के बाद जहाज में आग लग गई थी। दावा किया जा रहा है कि जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब बारूदी सुरंग से टकराकर कोई जहाज डूबा है।

मीडिया ने फिलहाल जहाज पर कितने लोग सवार थे और इस घटना में किसी की मौत हुई या नहीं, इसको लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। आईआरजीसी ने बुधवार को बताया, 'जहाज होर्मुज के पास एक ऐसे रास्ते से गुजर रहा था, जिसे इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी और रास्ता खतरनाक था।' ईरान पिछले कुछ दिनों से लगातार चेतावनी देता रहा है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए रास्ते से हटकर चलेगा, तो उसके नतीजे की



जिम्मेदारी उसकी अपनी होगी। दूसरी ओर यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने भी दो टैक्स के डूबने की जानकारी दी है। एजेंसी ने बताया है कि मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अलग-अलग घटनाओं में दो कमर्शियल जहाजों पर 'अज्ञात प्रोजेक्टाइल' से हमला हुआ। पहली घटना में, 50,000 टन का एक कंटेनर जहाज जलडमरूमध्य में प्रवेश करते समय हमले की चपेट में आ गया। समुद्री सुरक्षा की निगरानी करने वाली

एजेंसी के अनुसार, जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा, किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है, और वह सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखने में सक्षम रहा। दूसरी घटना में, 19,000 टन का एक कंटेनर जहाज जलमार्ग से बाहर निकलते समय एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल की चपेट में आ गया। एजेंसी ने बताया कि इसे भी मामूली नुकसान पहुंचा, जहाज पर किसी के घायल होने की खबर नहीं है, और उसने अपनी यात्रा जारी रखी।

भारतीय सेना ने जनरल धीरज सेठ को हटाए जाने के 'दावे' को किया खारिज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय सेना ने सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का खंडन किया है। सेना के अनुसार, कुछ पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया अकाउंट्स सेना प्रमुख को लेकर झूठा दावा कर रहे हैं। इन सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह अफवाह फैलाने की कोशिश की गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कथित बयान देने के कारण जनरल धीरज सेठ को पद से हटाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय सेना ने इसका खंडन करते हुए इसे दुष्प्रचार बताया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी कहा जा रहा है कि सेना के अधिकारियों को सेना प्रमुख के आदेशों का पालन नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। सेना ने स्पष्ट किया है कि यह पोस्ट



पूरी तरह से निराधार है व केवल झूठ पर आधारित है। भारतीय सेना के फेक्ट चेक संदेश के अनुसार, ये दावे पूरी तरह मनगढ़ंत हैं और इन्हें सेना के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान के तहत फैलाया जा रहा है। सेना ने कहा कि इस तरह की भ्रामक सामग्री का उद्देश्य सैन्य नेतृत्व को लेकर गलत जानकारी फैलाना और सेना के भीतर मतभेद होने की झूठी धारणा पैदा करना है।

सेना ने इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट्स की ओर ध्यान दिलाया है। संदेश में इंडियनतिवारी01 और दीक्षाशर्मा03 नाम के खातों का उल्लेख किया गया है।

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा

एजेंसी ■ मेरठ

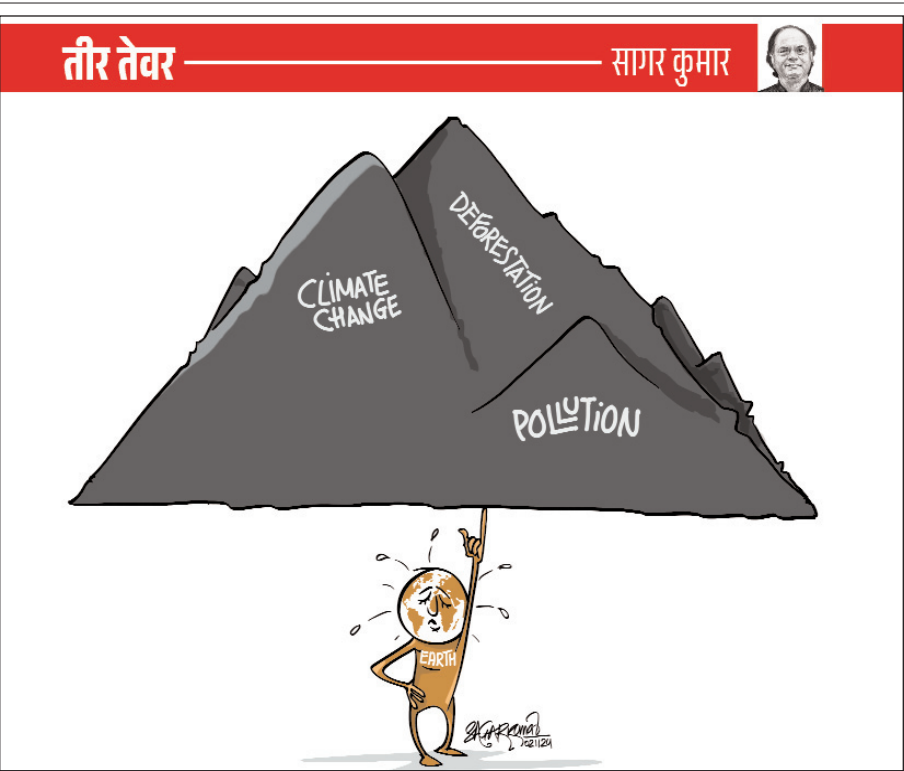
उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में बुधवार को अदालत ने दोषी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को फांसी की सजा सुनाई। जिला जज अरविंद कुमार ने दोनों को उनके पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया। अदालत की कार्यवाही के दौरान दोनों दोषी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। सजा सुनाए जाने के समय मुस्कान और साहिल चुप रहे।

इस चर्चित हत्याकांड में करीब डेढ़ साल बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इनमें उन लोगों की गवाही भी शामिल थी, जिनसे कथित तौर पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और शव को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया नीला ड्रम खरीदा गया था। मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर अदालत ने



दोनों को दोषी करार दिया था। मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में भर दिया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। इससे पहले, 30 सितंबर को जिला जज अरविंद कुमार की अदालत ने मुस्कान और साहिल को हत्या के मामले में दोषी करार दिया

था। बुधवार को अदालत ने दोनों को मृत्युदंड सुनाया। सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में ट्रायल शुरू हुआ था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 22 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज कराए। करीब 13 महीने तक चली अदालती प्रक्रिया में 126 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद 30 सितंबर को अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया और अब सजा का ऐलान किया।



तीर तेवर

सागर कुमार



राहुल-प्रियंका इंडिया गेट पर अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले

एजेंसी ■ देहरादून

राहुल गांधी बुधवार शाम को इंडिया गेट पर धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले। प्रियंका भी उनके साथ रहीं। दोनों करीब एक घंटा वहां रुके।

परिवार ने राष्ट्रीय द्रौपदी मुर्मू से अपील की है कि सीबीआई जांच पूरी होने तक दुष्यंत कुमार गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति पर रोक लगाई जाए और इसे रह किया जाए। 12 अक्टूबर को दुष्यंत गौतम को राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

अंकिता उत्तराखंड में एक होटल में रिसेशनस्ट थी। वहां वीआईपी को सर्विस देने से मना करने पर 2022 में उसकी हत्या कर दी गई थी। वीआईपी का नाम कभी सामने नहीं आया लेकिन परिवार दुष्यंत कुमार गौतम पर सवाल उठाता रहा है। अंकिता की मां सोनी देवी ने दैनिक भास्कर से की गई बातचीत में कहा कि दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने के बाद उनकी चिंता और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि



बेटी की हत्या के मामले में जिस वीआईपी को लेकर सवाल उठ रहे हैं, उसे राज्यपाल बना दिया गया है। ऐसे में परिवार को समझ नहीं आ रहा कि वह न्याय के लिए किसके पास जाए। उन्होंने बताया कि परिवार उत्तराखंड से दिल्ली आया है और इंडिया गेट पर अपनी आवाज उठाना चाहता

है। मां ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई, लेकिन आम जनता ने हमेशा उनका साथ दिया है। जनता की मदद से ही मामला यहां तक पहुंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश के लोग आगे भी उनका साथ देंगे और बेटी को न्याय दिलाने में मदद करेंगे।

जर्मनी के इमारत में आग लगने से 3 भारतीयों की मौत



बर्लिन। जर्मनी के बोखुम शहर में एक रिहायशी इमारत में आग लगने से तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों में 25 और 27 साल की दो महिलाएं और 26 साल का एक पुरुष शामिल है। आग मंगलवार तड़के लगी थी। घटना के बाद पुलिस ने इमारत में रहने वाले 41 वर्षीय एक व्यक्ति को हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया है। पुलिस को आग जानबूझकर लगाए जाने की आशंका है, लेकिन इसकी वजह की जांच अभी जारी है। यह घटना बोखुम के होफस्टेडे इलाके में एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में हुई। स्थानीय समय के मुताबिक, मंगलवार तड़के करीब 4:15 बजे आपातकालीन सेवाओं को आग लगने की सूचना मिली।



रायपुर। माना कैंप में शारदीय नवरात्रि के तैयारियो के क्रम में बंगाली समाज के नवरात्रि अंतिम चरण में है। यहा पर मां दुर्गा के आगमन के आकर्षक दुर्गा पंडाल इस बार काशी विश्वनाथ मंदिर एंव जगन्नाथ पुरी की थीम पर पंडाल की साज सजावट की गई है। जो श्रद्धालुओ के विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव समिति के पदाधिकारियो ने बताया की प्रतिवर्ष माता के अराधना के लिए माना कैंप में पंडाल अलग-अलग थीम पर तैयार किये जाते है । इस वर्ष भी माता का दरबार पंडाल विशेष साज सजावट के साथ तैयार किया गया है। जिसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते है। कोलकाता में दुर्गा पंडाल के बाद माना कैंप का दुर्गा पंडाल विशेष उल्लेखनीय रहा है।

आप के विरोध के बाद एग्रीस्टेक की अनिवार्यता खत्म

विश्व केसरी■

रायपुर। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष कर्मचारी विंग विजय झा, प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी और रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अजीम खान द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने बताया कि प्रदेश में एग्री स्टेट की जो खामियां थी जिसके कारण हजारों किसान धारण बेचने से वंचित रह जाते थे आम आदमी पार्टी के लगातार विरोध के बाद सरकार ने इस बार एग्रीस्टेक की अनिवार्यता खत्म कर दी है जिसका पार्टी ने किसानों के हितों को लेकर स्वागत किया है। आम आदमी पार्टी द्वारा लगातार पिछले 1 साल से किसानों की मांगों को लेकर पूरे प्रदेश स्तर में किसान सभा कर आंदोलन और सरकार ज्ञापन दिया गया था जिसके परिणाम स्वरूप किसानों की कुछ समस्याओं का समाधान हुआ है।

आप नेताओं ने बताया कि प्रदेश में फसल सत्यापन (खरीफ गिरावारी)



और राजस्व कार्यों के लिए उपयोग किए जा रहे पीवी ऐप और भुइया वेबसाइट को लेकर राज्य में किसानों में भारी विरोध देखने को मिल रहा है। जिसमें सरकार को सुधार करना चाहिए। ग्रामीण और दूर-दराज के खेतों में इंटरनेट नेटवर्क न होने के कारण ऐप ठीक से काम नहीं करता है, जिससे डेटा सिंक या अपलोड करने में भारी दिक्कत आती है। तकनीकी रूप से कमजोर सर्वर और सॉफ्टवेयर डिजाइन के चलते फील्ड में काम करते समय ऐप बार-बार हंग हो

जाता है। ऐप में सटीक जियो-लोकेशन न मिलने के कारण खसरे को सही स्थिति दर्ज करने में बाधा आती है।ऐप के नियमों के अनुसार खेत के चारों कोनों पर जाकर फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। खेतों में पानी भरे होने, फसल के बड़े होने या पुराने नक्शों में भ्रम का अभाव के कारण खेत को सही रूप से पहचानने में कठिनाई होती है। ऐप की इन तकनीकी कमियों के बावजूद काम पूरा न होने पर शासन-प्रशासन द्वारा पटवारियों को शो-कांज

नोटिस और निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है, जिसका पटवारी संघ ने कड़ा विरोध किया है और इन्हीं सभी मांगों को लेकर पटवारी हड़ताल कर रहे हैं।इन तकनीकी बाधाओं के चलते सत्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे भविष्य में किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने में परेशानी हो रही है और इस साल भी यही स्थिति बनी रही हो तो जिस तरह से पिछले साल प्रदेश में 5 किसानों ने आत्महत्या की थी और यदि इस साल भी सुधार नहीं हुआ तो जो किसान आत्महत्या करेंगे उसकी जिम्मेदार सरकार होगी।

पूर्व की कांग्रेस सरकार में किसानों का 1 साल का बोनस बाकी था जिसे भाजपा सरकार को देना था लेकिन उसे बोनस को किसानों को आज तक भाजपा सरकार ने नहीं दिया है जिसका की फंड रिलीज हो चुका था। पिछले 3 सालों में केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी बढ़ाई गई है जो कि लगभग 258 के आसपास है।

एनएचएआई ने एजेंसी पर लगाया 10 लाख का जुर्माना



विश्व केसरी■

रायपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के कटघोरा-अंबिकापुर खंड में दुर्घटना प्रबंधन में लापरवाही पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएच एआई) ने संबंधित एजेंसी मेसर्स रविंद्र सिंह पर 10 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है। विगत 12 अक्टूबर को सुबह करीब 3 बजे चोटिया टोल प्लाजा के पास दो ट्रक-ट्रेलरों की भिड़ंत हुई थी। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने में देरी के कारण मार्ग बाधित रहा।

जांच में सामने आया कि घटना के दौरान एजेंसी का परियोजना प्रबंधक मौके पर मौजूद नहीं था। क्रेन ऑपरेटर की अनुपलब्धता और रिकवरी उपकरणों के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं होने से राहत कार्य प्रभावित हुआ। 1033 हेल्पलाइन पर बार-बार सूचना देने के बावजूद पेनाल्टी लगाई गई है। विगत 12 अक्टूबर को एनएचएआई ने इसे घटना प्रबंधन और हाईवे पेट्रोलिंग के निर्धारित मानकों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित एजेंसी पर 10 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है।

रायपुर रेल मंडल में विशेष जागरूकता अभियान

कचरे के लिए कलर कोड इस्टबिन

विश्व केसरी■

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है इस पखवाड़े की कड़ी में स्वच्छता को बढ़ावा देने, कार्यालयीन एवं रेलवे परिसरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 11 से 15 अक्टूबर 2026 को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निगम, 2026 के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत रायपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों, डिपो, शेड एवं कार्यालयों में रेलकर्मियों तथा सिविदा कर्मचारियों को चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। संबंधित डिपो, शेड एवं



कार्यालयों के यूनिट प्रभारियों द्वारा अपने-अपने कार्यस्थलों पर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत कचरे को चार श्रेणियों—गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट एवं विशेष देखभाल वाले कचरे—में अलग-अलग करने पर जोर दिया जा रहा है।

की जानकारी सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजेश कुमार साह द्वारा दी गई साथ ही यात्रियों को भी अपने कचरे को पृथक्करण अलग-अलग डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया।

साथ ही, कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका एवं यात्री जागरूकता पर भी जोर दिया। स्टेशनों, ट्रेनों, पेंट्री एवं रेलवे कॉलोनिमें में रंग-कोडित चार-स्ट्रीम डस्टबिन को उपलब्धता एवं उपयोग की जांच तथा ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग स्टाफ स्टेशन सफाई कर्मियों को कचरे के स्रोत पर ही पृथक्करण के लिए प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जा रहा है।

अभियान के दौरान पेंट्रीकार कर्मियों और स्वच्छता प्रहरियों को को गीले कचरे, सूखे कचरे, सैनिटरी अपशिष्ट तथा विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट को अलग-अलग एकत्र करने, निर्धारित व्यवस्था के अनुसार उनका निस्तारण करने तथा कार्यस्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के महत्व

एनआईए अफसर बनकर महिला से 7 लाख की ठगी

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का चौकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों ने 62 वर्षीय महिला को इतना डराया कि वह 5 दिनों तक उनके निर्देशों में फंसी रहीं। खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताते वाले आरोपियों ने महिला को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने और गिरफ्तारी वारंट जारी होने की धमकी दी। डर के कारण महिला ने अपनी एफडी तुड़वाई और 7 लाख रुपए ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

जानकारी के अनुसार, गंज थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला के मोबाइल पर 7 अक्टूबर को वॉट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को हट्टू रायपुर से जुड़ा अधिकारी बताया। उसने महिला से कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर फर्जी बैंक खाता खोला गया है और उस खाते में मनी लॉन्ड्रिंग की रकम आई है। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र में गिरफ्तारी वारंट जारी होने की बात कहकर महिला को डराया गया।



ठगों ने महिला को जांच के नाम पर एक पत्र भेजा और सत्यापन कराने को कहा। इसके बाद उनसे परिवार, संपत्ति, बैंक खाते और एफडी की जानकारी ली गई। आरोपियों ने लगातार कॉल कर महिला को मानसिक दबाव में रखा। हर थोड़ी देर में फोन कर जानकारी मांगी जाती और कहा जाता कि सहयोग नहीं किया तो जेल जाना पड़ेगा।

अगले दिन महिला की बात एक अन्य व्यक्ति से कराई गई, जिसे वरिष्ठ अधिकारी बताया गया। उसने भी गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का डर

दिखाया। महिला को यकीन दिलाया गया कि अगर वह जांच में सहयोग करेंगी तो उन्हें केस से बचाया जा सकता है। इसी भरोसे और डर में महिला ठगों के जाल में फंसीत चली गई।

आरोपियों के कहने पर महिला ने अपनी एफडी तुड़वाने की प्रक्रिया शुरू की। बैंक की छुट्टियों के दौरान भी ठा लगातार संपर्क में रहे। बाद में महिला से बैंक जाकर रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर करने को कहा गया। वीडियो कॉल पर ऋतुबन्ध फॉर्म भरवाया गया और 7 लाख

रुपए एक निजी खाते में ट्रांसफर करा लिए गए। रकम भेजने के बाद महिला ने उसकी रसीद भी वॉट्सएप पर आरोपियों को भेज दी।

रकम मिलने के बाद आरोपियों ने महिला को ऋतुबन्ध के नाम से फर्जी प्रमाणपत्र भेजा। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद हट्टू मिल जाएगा। लेकिन जब काफी देर तक कोई दस्तावेज या राहत नहीं मिली, तब महिला को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की टीम बैंक खातों, वॉट्सएप नंबरों और कॉल डिटेल्स के आधार पर आरोपियों का सुराग जुटा रही है।

रायपुर में डिजिटल अस्ट्रेट के नाम पर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इससे पहले भी साइबर ठग कारोबारी और शिक्षक को इसी तरीके से डराकर ठगी कर चुके हैं।

रायपुर में पहली बार राज्यस्तरीय सम्मेलन

‘हाई रिस्क प्रेग्नेंसी अपडेट 2026’ का आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं को तथा मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 2026' राज्यस्तरीय चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन 18 अक्टूबर 2026 को होटल बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में किया जाएगा। इस सम्मेलन की थीम (गर्भावस्था प्रबंधन को सशक्त बनाना) है।

एसएमसी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल टेलस हेयरफुलनेस एवं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के साथ नवीनतम चिकित्सा जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।



सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत स्त्री रोग विशेषज्ञों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान, समय पर उपचार और नवीनतम चिकित्सा जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

वैज्ञानिक सत्रों में गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप, प्री-एक्लेम्पसिया, एक्लेम्पसिया, गर्भावधि मधुमेह, हृदय रोग, अत्यधिक रक्तस्राव तथा अन्य गंभीर जटिलताओं के प्रबंधन पर चर्चा की जाएगी। विशेषज्ञ वास्तविक चिकित्सकीय मामलों के माध्यम से जटिल परिस्थितियों में बेहतर उपचार और समय पर निर्णय लेने के तरीकों पर प्रकाश डालेंगे।

आयोजकों के अनुसार, इस सम्मेलन का उद्देश्य केवल चिकित्सकीय ज्ञान का आदान-प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक स्तर पर कार्यरत चिकित्सकों को सशक्त बनाकर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है।

श्री बालाजी दिशा कॉलेज में अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता, एआई एड मेकिंग एवं वर्सट स्टार्टअप का आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। श्री बालाजी दिशा कॉलेज, रायपुर में टेक्नाइट क्लब एवं कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में फेस्ट का आयोजन के द्वितीय दिवस पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नवाचार, उद्यमशीलता एवं आधुनिक तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य के अंतर्गत अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता ,एआई एड मेकिंग) एवं वर्सट स्टार्टअप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, विज्ञापन और समय पर निर्णय लेने के तरीकों पर प्रकाश डालेंगे।

प्रतियोगिता में रायपुर के विभिन्न कॉलेज से 55 विद्यार्थियों की 11 टीम ने बहुचर्चक हिस्सा लिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए. के. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच एवं नवाचार अत्यंत आवश्यक हैं। आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को नए आयाम देने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्माण, व्यावसायिक विचारों के विकास तथा प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को सीखने, प्रयोग करने तथा अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। इस प्रकार

की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन प्रतियोगिता में समस्या समाधान, निर्माण और नवाचार थीम के साथ विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचार विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर महाविद्यालयीन हैकथॉन का आयोजन किया गया प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालय की विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और

वास्तविक जीवन से जुड़ी समस्याओं की तकनीकी समाधान विकसित किया है।हैकथॉन के दौरान प्रतिभागियों ने सीमित समय में अपनी टीम बनाकर समस्याओं का विश्लेषण किया तथा सॉफ्टवेयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग ऑटोमेशन और डिजिटल तकनीकी का उपयोग करते हुए अपने प्रोटोटाइप तैयार किया प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल समस्या की पहचान करने तक सीमित न रखते हुए समस्या पहचाने समाधान विकसित करें और उसे वास्तविक रूप दे की सोच के लिए प्रोत्साहित करना था

एआई एड मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को कार्यक्रम के प्रारंभ में दिए गए विषय के आधार पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स की सहायता से आकर्षक विज्ञापन तैयार करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने एआई के माध्यम से विजुअल्स, रचनात्मक सामग्री, वॉयसओवर एवं वीडियो एलिमेंट्स का उपयोग करते हुए अपनी कल्पनाशीलता और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

सुबह जल्दी उठने के हैं अनगिनत फायदे



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सुबह जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनी और बुद्धिमान बनाता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। यह दिमाग, शरीर और आत्मा को तरोताजा करने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती।

सुबह जल्दी उठने से और भी अनेक फायदे हैं या फिर यह कहे कि अनगिनत फायदे हैं। सुबह उठने से हमारा शरीर स्वस्थ और फिट रहता है।

सूरज निकलने से पहले उठना बाँड़ी, माइंड और स्मिरिट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस वक्त उठने से माइंड और बाँड़ी में ब्लड सर्कुलेशन पॉजिटिव रहता है। जबकि सूरज निकलने के बाद

ज्वाला देवी, अग्नि शक्ति का रूप: यहां देवी रूप में 9 ज्वालाएं

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। हिमाचल के ज्वाला देवी मंदिर में देवी की मूर्ति नहीं है। यहां चट्टानों की दरारों से निकलने वाली नौ ज्वालाओं की पूजा होती है। हर ज्वाला का अलग नाम और धार्मिक महत्व है। इनमें महाकाली से लेकर अन्नपूर्णा, महालक्ष्मी और सरस्वती तक के स्वरूप शामिल हैं।

यहां देवताओं के साथ पितरों के लिए भी विशेष पूजा होती है। मंदिर में पीढ़ियों से भोजक परिवार के लोग पूजा कर रहे हैं। इस परिवार में शादी के बाद ही पुजारी बनने का अधिकार मिलता है। नवरात्रि में यहां विशेष हवन, कन्या पूजन और तीन बार मुप्त लंगर की व्यवस्था रहती है।

यहां गर्भगृह में देवी की प्रतिमा नहीं है। चट्टानों की दरारों से निकलने वाली आग की लपटों को ही देवी का स्वरूप माना जाता है। इन्हें अखंड ज्योतियां कहते हैं। मंदिर में मुख्य ज्योति महाकाली के नाम से पूजी जाती है। यह गर्भगृह में चट्टान की दरार से निकलती है। आसपास की दूसरी दरारों से भी छोटी-छोटी ज्वालाएं निकलती हैं। सभी को मिलाकर नौ



ज्वालाओं की पूजा होती है।

इन ज्वालाओं को जलाने के लिए तेल, धो या बाती नहीं लगाई जाती। जमीन के भीतर से निकलने वाली प्राकृतिक गैस से ये जलती हैं। मान्यता है यहां देवी सती की जीभ गिरी थी, इसलिए इन ज्वालाओं को देवी की जिभ का रूप माना जाता है। इसी कारण ज्वाला देवी को अग्नि शक्ति का केंद्र कहते हैं।

नौ देवी के रूप में नौ ज्योतियां: चांदी के आले में महाकाली, नीचे अन्नपूर्णा

ज्वाला देवी मंदिर के गर्भगृह में चट्टानों की अलग-अलग दरारों से आग की लपटें निकलती हैं। इनकी पूजा नौ देवी स्वरूपों में होती है। मुख्य ज्योति चांदी से जड़े आले में है। इसके नीचे और दूसरी ओर भी लपटें निकलती हैं। गर्भगृह के पवित्र कुंड में चार अन्य देवी रूप की ज्योतियां हैं। इसलिए सभी नौ ज्वालाएं एक कतार में नहीं हैं। ये प्राकृतिक लपटें नीले रंग की दिखती हैं। इनका आकार और तीव्रता एक जैसी नहीं रहती। मंदिर में

इनकी पहचान देवी के नाम और पूजा स्थान से जुड़ी है।

- महाकाली: यह मंदिर की मुख्य ज्योति है। इसका स्थान गर्भगृह के प्रवेश के सामने चांदी से जड़ा आला है। इसे भक्ति और मुक्ति देने वाली शक्ति माना जाता है।
- अन्नपूर्णा: महाकाली ज्योति के नीचे अन्नपूर्णा का स्थान है। बताया जाता है पहले यहां दो लपटें होती थीं। इस स्वरूप को अन्न और परिवार पोषण की शक्ति मानते हैं।
- चंडी: महाकाली ज्योति के दूसरी ओर चंडी का स्वरूप है। इसे शत्रुओं और बुरी शक्तियों का नाश करने वाली देवी माना जाता है।
- हिंगलाज भवानी: यह मंदिर की चौथी देवी ज्योति मानी जाती है। धार्मिक परंपरा में इनकी पूजा संकट और बाधाएं दूर करने की कामना से होती है।
- विंध्यवासिनी: पांचवीं ज्योति विंध्यवासिनी देवी का स्वरूप है। इसे शोक और दुख दूर करने वाली शक्ति माना जाता है।
- महालक्ष्मी: इस ज्योति का स्थान गर्भगृह के पवित्र कुंड में है। महालक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना जाता है।

एनएसए डोभाल की ईरान के अपने समकक्ष से हुई थी बात, भारतीय नाविकों की सुरक्षा का उठाया मुद्दा: रणधीर जायसवाल

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ईरानी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा समिति) सचिव मोहसिन रेजाई के बीच 12 अक्टूबर को बात हुई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बातचीत में भारतीय नाविकों और जहाजों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया।

पाश्चिम मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल के जवाब में एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, ‘राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 12 अक्टूबर को ईरान के अपने समकक्ष, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसिन रेजाई से बात की थी। उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों, क्षेत्रीय हालात और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान भारतीय



नाविकों और भारतीय टैंकरों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। ‘ वहीं, नई दिल्ली में हुए बिम्स्टेक बैठक को लेकर जायसवाल ने कहा, ‘बिम्स्टेक गृह मंत्रियों की बैठक की मेजबानी भारत के गृह मंत्री ने की। इसमें बिम्स्टेक के सभी देशों ने हिस्सा लिया और

बातचीत व बैठक के बाद ‘दिल्ली घोषणापत्र’ को भी अपनाया गया। इसमें आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई, नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के उपाय और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ सहयोग समेत कई क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने के लिए बिम्स्टेक के सभी सदस्य देशों ने प्रतिबद्धता

जताई। ‘ रूस और अमेरिका के बीच हुए तेल समझौते को लेकर पूछे गए सवाल पर एमईए प्रवक्ता ने कहा कि वो कर्मशियल समझौतों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। हम ग्लोबल एनर्जी मार्केट में स्थिरता का समर्थन करते हैं।

इससे पहले सऊदी अरब पर हो रहे हमलों को लेकर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए जायसवाल ने कहा, ‘सऊदी अरब पर कई हमले हुए हैं। अरामको मुख्यालय पर भी हमला हुआ। हम सऊदी अरब में आम लोगों के बुनियादी ढांचों पर हुए ऐसे सभी हमलों की निंदा करते हैं। हमारा मानना है कि ये हमले तुरंत बंद होने चाहिए। ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। हम सऊदी अरब की संप्रभुता की रक्षा के लिए वहां की जनता और सरकार के साथ खड़े हैं, और हमें उम्मीद है कि इस इलाके में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी।

कटहल के छिलके से साफ होगा पानी, 10 मिनट में 90 फीसदी फ्लोराइड हटा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। कटहल का जिस छिलके को अक्सर कचरा समझकर फेंक दिया जाता है, उसी से अब दूषित पानी को साफ करने का रास्ता निकला है। शोधकर्ताओं ने कटहल के छिलके से ऐसी विशेष सामग्री विकसित की है, जो 10 मिनट में पानी से 90 प्रतिशत से अधिक फ्लोराइड हटाने में सफल रही। इस नवाचार को पेटेंट भी मिल चुका है। यह रिसर्च राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) राउरकेला के शोधकर्ताओं ने की है।

इस तकनीक में कटहल के छिलकों से सक्रिय कार्बन तैयार किया जाता है। इसके बाद उसमें जिरकोनियम मिलाकर पानी से फ्लोराइड पकड़ने की क्षमता बढ़ाई जाती है। शोधकर्ताओं के अनुसार,



यह सामग्री खास तौर पर उन क्षेत्रों में उपयोगी साबित हो सकती है, जहां भूजल में फ्लोराइड की अधिक मात्रा पेयजल की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से दांतों और हड्डियों से जुड़ी फ्लोरोसिस की समस्या हो सकती है। देश के कई हिस्सों में भूजल में फ्लोराइड की मौजूदगी के कारण सस्ती और टिकाऊ जल शोधन

तकनीकों की जरूरत महसूस की जा रही है। फ्लोराइड हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ मौजूदा तकनीकों की अपनी सीमाएं हैं। मसलन आरओ प्रक्रिया में काफी पानी व्यर्थ होता है और कैल्शियम व मैग्नीशियम जैसे उपयोगी खनिज भी पानी से बाहर निकल सकते हैं। वहीं, कुछ अन्य विधियों में रसायनों का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे में कृषि अपशिष्ट से तैयार यह नई सामग्री एक वैकल्पिक उपाय बन सकती है।

आईआईएम अहमदाबाद में एआई और बिजनेस एनालिटिक्स एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन शुरू

विश्व केसरी■
गांधीनगर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद के डायरेक्टर और प्रोफेसर भारत भास्कर ने बिजनेस एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में दो वर्ष के ब्लेंडेड एमबीए प्रोग्राम के दूसरे बैच के लिए एडमिशन की घोषणा की। यह प्रोग्राम वर्किंग प्रोफेशनल्स और एंटरप्रेन्योर्स के लिए डेटा-ड्रिवन डिसेंजन-मेकिंग और स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट स्किल्स को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। आईआईएम अहमदाबाद के डायरेक्टर ने बुधवार को समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि हमारे जो कोर्स, जिसे हम लॉन्च कर रहे हैं या सेकंड बैच का लॉन्च कर रहे हैं, उसका मुख्य उद्देश्य है कि आज उद्योग क्षेत्र



में और हमारी अर्थव्यवस्था में एक बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है। वह बदलाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा आ रहा है। इस बदलाव को लाने के कारण सभी इंडस्ट्री को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ट्रांसफॉर्मेशन को अपने में अपनाना होगा।

आज हमारे देश में बहुत सारे अच्छे टेक्नोलॉजिस्ट हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

टेक्नोलॉजी में काम कर सकते हैं। अच्छे जनरल मैनेजर हैं, जो मैनेजमेंट फील्ड में काम करते हैं, लेकिन इन दोनों के बीच में एक सेतु की आवश्यकता है, जो ऐसे मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स हो, जो मैनेजमेंट के प्रिंसिपल्स को भी समझे और साथ-साथ टेक्नोलॉजी को भी अंडरस्टैंड करें, जिससे वो उस क्षेत्र में जिस भी उद्योग में हैं, उस उद्योग में एक ऐसे ग्रुप की स्थापना कर सके, ऐसी लीड

ले सके की उस इंडस्ट्री का ट्रांसफॉर्मेशन होकर, वो उद्योग क्षेत्र भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का फायदा उठाकर, विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभागिता रखे और कॉम्पिटिटिव एज को रखने में समर्थ हो।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसे ही मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को प्रोड्यूस करना है। आपने देखा होगा कि ऐसा प्रोग्राम अभी तक किसी मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा देश में नहीं हो रहा था। हमने यह आवश्यकता समझी कि आज हमारी जरूरत है कि इस देश में ऐसे मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को ट्रेड किया जाए और उसी लिए आईआईएम-अहमदाबाद ने पिछले वर्ष ही अपनी पुरानी रफ्तति और परंपरा को कायम रखते हुए ऐसे प्रोग्राम लॉन्च किए।

तेलंगाना को वैश्विक निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा: रेवंत रेड्डी

विश्व केसरी■
हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की कि राज्य को वैश्विक निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने समाख्या चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि तेलंगाना को वैश्विक निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बनाया जाए। हमारा लक्ष्य भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेलंगाना के योगदान को वर्तमान पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करना है। मुख्यमंत्री ने ‘तेलंगाना राइजिंग: 2047 विजन डॉक्यूमेंट’ और राज्य सरकार के क्योर, प्योर

रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ओआरआर और क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के बीच स्थित पेरी-अर्बन रीजन इकोनॉमी (पीयूआरई) विनिर्माण उद्योगों, औद्योगिक पार्कों और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देगी। वहीं, ग्रामीण कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था (आरएआरई) कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित उद्योगों और ग्रामीण रोजगार पर ध्यान केंद्रित करेगी।

यह कहते हुए कि भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर लेगा, मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

यह नई सामग्री एक वैकल्पिक उपाय बन सकती है।

पश्चिम बंगाल के 16 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में खुलेंगे जनऔषधि केंद्र, सस्ती दवाएं मिलेंगी

विश्व केसरी■
कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के 16 सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य मरीजों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना है। राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सूत्रों के अनुसार, पीपीपी मॉडल अपनाने का फैसला केंद्रों के बेहतर संचालन और रखरखाव को सुनिश्चित करने के साथ-साथ मरीजों को सस्ती दरों पर दवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया गया है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इन जनऔषधि केंद्रों की स्थापना और संचालन के अलावा उनका उचित रखरखाव भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसी वजह से पीपीपी मॉडल को चुना गया है। केंद्रों की स्थापना और संचालन के लिए निजी संस्थाओं के चयन की निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया को जल्द पूरा करने और निर्धारित मानकों को पूरा करने वाली निजी संस्थाओं का चयन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि इन केंद्रों

को जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। पहले चरण में राज्य भर के 16 मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोले जाएंगे। इनमें से 11 केंद्र कोलकाता में

स्थापित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, शेष पांच केंद्र नदिया, मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर और हावड़ा जिलों के एक-एक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में खोले जाएंगे।

जानकारी के मुताबिक, देश के कई अन्य राज्य पहले ही प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र योजना को अपना चुके हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में इस योजना को लागू करने की कोई पहल नहीं की थी।

नबान्ना (राज्य सचिवालय) के सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को राज्य में लागू करने की प्रक्रिया तेज हुई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र स्थापित करने का फैसला भी इसी व्यापक पहल का हिस्सा माना जा रहा है।

‘कुंजम दर्’ का जल्द होगा निर्माण, सीएम सुखरू

विश्व केसरी■
शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुखरू ने बुधवार को आशवासन दिया कि लाहौल-स्पीति जिले में ‘कुंजम दर्’ के नीचे सुरंग के निर्माण के लिए सर्वेक्षण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार सुरंग के निर्माण के लिए प्रयासरत है, जिससे स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को पूरे वर्ष बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि स्पीति घाटी को प्राकृतिक कृषि क्षेत्र घोषित किया जाएगा और काजा कस्बे में एक कॉलेज खोलने की संभावना तलाशी जाएगी। इसके अलावा, काजा में स्त्री रोग विशेषज्ञों और चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने यह भी आशवासन दिया कि काजा में एक हेलीपोर्ट के निर्माण के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा, जो जिससे पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय



निवासियों को लाभ होगा। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान काजा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आने वाले वर्षों में स्पीति के विकास पर 500 करोड़ रुपए खर्च करेगी। सुमदो-काजा ट्रांसमिशन लाइन को लगभग 350 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से तीन साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार स्पीति के लोगों की आय दोगुनी करने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री सुखरू ने कहा कि जब उन्होंने 15 अप्रैल, 2023 को हिमाचल दिवस के अवसर पर पहली बार इस क्षेत्र का दौरा किया,

तो स्थानीय निवासियों ने बिजली की कमी का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के प्रयास अब जमीनी स्तर पर परिणाम देने लगे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश का लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्रों में आता है। राज्य सरकार इन क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और उनके कल्याण के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है।

संपादकीय

भाजपा और विपक्ष में अब सीजफायर नामुमकिन

राकेश अचल

गजब देखिए! याचिका विपक्ष की है, लेकिन उसकी जल्द सुनवाई की मांग करने वालों में वे चरिष्ट वकील भी शामिल हैं, जो विपक्ष और उसके समर्थकों के मुखर आलोचक रहे हैं.वे बिना वजह दाल-भात में मूसलचंद बन रहे हैं.

गत दिवस लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी समेत इंडिया गठबंधन के नेता चुनाव आयोग की एस आई आर प्रक्रिया और कथित चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे. उनका मकसद चुनाव आयोग के कामकाज को अदालत में चुनौती देना था.लेकिन इसी घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का मामला भी सामने आ गया.अब इसी भीड़ को लेकर अलग याचिकाएं दाखिल हुई हैं.

चरिष्ट अधिवक्ता गौरव भाटिया और महेश जेटमलानी ने इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की.मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने गुरुवार को सुनवाई के लिए सहमति दे दी लेकिन अब याचिकाओं में इतनी खामियां निकाल दी ग हैं कि उनका सूचीबद्ध होना मुश्किल है.

सवाल यह है कि जिस विपक्ष की याचिका पर सुनवाई होनी है, उसी विपक्ष के अदालत पहुंचने के घटनाक्रम को कटघरे में खड़ा करने वाली याचिकाओं पर भी सरकारी पार्टी द्वारा इतनी तत्परता क्यों दिखाई जा रही है ?क्या अदालत परिसर में भीड़ जुटना अपने आप में किसी अपराध का प्रमाण है? या फिर यह तय करने के लिए तथ्यों, नियमों और परिस्थितियों की जांच जरूरी है कि वास्तव में हुआ क्या था ?

और एक दूसरा सवाल भी है। यदि विपक्ष की याचिका में कोई कानूनी खामी है, तो अदालत उसे कानून के मुताबिक देखेगी.देख रही



है.लेकिन क्या दूसरी याचिकाओं में मौजूद संभावित खामियों की जांच भी उसी कठोरता से होगी ?यहाँ से शुरू होती हैं असली अग्निपरीक्षा।

यह अग्निपरीक्षा सिर्फ विपक्ष की नहीं है, जो चुनाव आयोग को चुनौती दे रहा है. यह सरकार की भी नहीं है, जिस पर विपक्ष सवाल उठा रहा है.यह अग्निपरीक्षा न्यायपालिका की उस साख की है, जिस पर सत्ता और विपक्ष—दोनों को बराबर भरोसा होना चाहिए.

ध्यान रहे, तत्काल सुनवाई की सहमति का अर्थ किसी पक्ष को दोषी या निर्दोष ठहरा देना नहीं है. अदालत का असली इम्तिहान उसके अंतिम फैसले, तर्कों और सभी पक्षों के साथ समान व्यवहार में होगा.तो सवाल फिर वही है—अग्निपरीक्षा अदालत की या विपक्ष की ?

भाजपा नेताओं के मूसलचंद बनने के बावजूद इंडिया गठबंधन में कोई घबड़ाहट,कोई बिखराव नजर नहीं आ रह.विपक्ष अपने आंदोलन के संभावित नतीजों को लेकर आश्वस्त है.शयद यही वजह है कि इंडिया गठबंधन की 8 दिन में 6 बैठकें हुईं.विपक्ष के नेता ने तीन बार गिरफ्तारी दी और बीते रोज साथ साथ चाय पीने के बाद तमाम नेता एक साथ मीडिया के सामने आए.

मुझे लगता है कि विपक्ष की याचिकाओं पर सुनवाई हो या न हो,फैसला आए,न आए इससे ज्ञानेश हटाओ आंदोलन पर कोई असर पटने वाला नहीं है.इस आंदोलन का भविष्य अब सरकार पर टिका है.सरकार जितने दिन ज्ञानेश कुमार को पद पर रखेगी,उतने दिन आंदोलन चलेगा.

खबरें आ रही हैं कि सरकार ज्ञानेश को बचाने के लिए एक उप निर्वाचन आयुक्त और केचुआ की आईटी प्रमुख की बलि देने की तैयारी कर रही है.तमाम गलतियों का ठीकर इन दोनों के सर फोड़ा जा सकता है.मुमकिन है कि ये काम विपक्ष की याचिकाओं के सूचीबद्ध होनेके पहले ही हो जाए.डरी हुई सरकार के एक मंत्री एल मुरगन इसी बीच मंत्री पद के साथ राज्यसभा की सदस्यता छोड़कर अपने गृहराज्य तमिलनाडु में भाजप की सेवा करने चले गए हैं.मंत्री जी ने खुद इस्तीफा दिया या उन्हें इस्तीफा लिया गया,ये तय नहीं है।

लब्बोलुआब ये है कि अब सत्ता और विपक्ष के बीच खिंची तलवारें अब म्यान में जाने को राजी नहीं हैं.इस सत्ता संग्राम में सीजफायर यानि युद्ध विराम की कोई गुंजाइश नही दिखाई दे रही।



डॉ. प्रियंका सौरभ

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घरेलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बुह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न

संस्कृतिक हाशिये पर रखे जाने के विरुद्ध आवाज उठाई। समय के साथ यह आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालांकि इसकी जड़ें गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट एक गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है।

सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में

सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालांकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था, लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया।

इस संघर्ष का एक व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता



है। हालांकि हूती आंदोलन की अपनी घरेलू जड़ें और स्वतंत्र राजनीतिक प्राथमिकताएँ भी हैं, फिर भी ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता ने संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय आयाम प्रदान किया। इस प्रकार यमन आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पश्चिम एशिया की शक्ति-प्रतिस्पर्धा का भी एक प्रमुख केंद्र बन गया।

संघर्ष के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हुए हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव मानवीय संकट के रूप में दिखाई देता है। लंबे समय तक चले युद्ध ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है तथा खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसी समस्याओं को

नहर के माध्यम से एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करता है। हूतियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री यातायात को निशाना बनाए जाने से अंतरराष्ट्रीय नौवहन को सुरक्षा प्रभावित हुई है। विशेष रूप से 2023 के अंत से लाल सागर में बढ़ते हमलों ने कई शिपिंग कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया। अफ्रीका के दक्षिणी सिरे से जहाजों के गुजरने के कारण यात्रा का समय, ईंधन खर्च और परिवहन लागत बढ़ गई।

तीसरा प्रभाव ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ा है। पश्चिम एशिया वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है और यहाँ

की सुरक्षा संबंधी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। वर्ष 2019 में सऊदी अरब के अबकैक और खुरैस तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों ने महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढाँचे की कमजोरियों को उजागर किया। इन हमलों को केवल सऊदी-हूती संघर्ष का प्रत्यक्ष परिणाम मानना उचित नहीं होगा, लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता से जुड़े व्यापक जोखिमों को स्पष्ट किया। ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों की आशंका से तेल की कीमतों में अनिश्चितता, बीमा लागत में वृद्धि और वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान का खतरा बढ़ जाता है।

चौथा प्रभाव क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ा है। संघर्ष ने ईरान और सऊदी अरब के बीच अविश्वास को गहरा किया तथा पश्चिम एशिया में बाहरी शक्तियों की भूमिका को बढ़ाया। मिसाइलों, ड्रोन और अन्य आधुनिक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से सैन्य प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। इससे क्षेत्रीय देशों को अपनी रक्षा प्रणालियों, खुफिया क्षमताओं और समुद्री सुरक्षा पर अधिक संसाधन खर्च करने पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त, संघर्ष का विस्तार व्यापक क्षेत्रीय तनाव को जन्म दे सकता है, जिससे आतंकवाद-रोधी सहयोग और अन्य कूटनीतिक प्रयास भी प्रभावित होते हैं।

वैश्विक व्यापार पर इसका प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। लाल सागर और स्वेज नहर का मार्ग अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखलाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस क्षेत्र में असुरक्षा से माल की दुलाई महँगी हो सकती है, वस्तुओं की आपूर्ति में देरी हो सकती है और आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए खाद्य पदार्थों, ईंधन और औद्योगिक

वस्तुओं की बढ़ती परिवहन लागत आर्थिक चुनौतियों को और गंभीर बना सकती है। इस संघर्ष का स्थायी समाधान सैन्य कार्रवाई के बजाय समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय कूटनीति में निहित है। संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हूती आंदोलन, मान्यता प्राप्त यमनी सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के बीच सार्थक वार्ता को आगे बढ़ाना आवश्यक है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सत्ता-साझेदारी, सुरक्षा व्यवस्था और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के बीच सार्थक वार्ता को आगे बढ़ाना आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, प्रभावी युद्धविराम, मानवीय सहायता की निर्बाध आपूर्ति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को समुद्री मार्गों की सुरक्षा तथा नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप सहयोग करना चाहिए। यमन में दीर्घकालीन शांति के लिए रोगान के अवसर बढ़ाना, अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण करना और जवाबदेह शासन संस्थाओं को मजबूत बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

निष्कर्षतः, सऊदी-हूती संघर्ष दर्शाता है कि घरेलू राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और बाहरी हस्तक्षेप किस प्रकार एक स्थानीय संकट को व्यापक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल सकते हैं।

बोध कथा

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, ‘यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।’ संत ने कहा, ‘मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूँ। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।’ देवदूत बोला, ‘नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।’ संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, ‘इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है?’ ईश्वर ने ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूँ। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूँ।

उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूँ।’ तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उसकी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, ‘लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।’ दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा।

वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, ‘अब क्यों आए हो मेरे पास?’ मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।’

देवदूत ने कहा, ‘आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।’ संत ने कहा, ‘तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?’ देवदूत बोला, ‘इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।’ यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, ‘क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।’ देवदूत ने कहा, ‘नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है।’

इतिहास

इतिहास में 15 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं और जन्म-मृत्यु से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं 1240: दिल्ली सल्तनत की पहली महिला शासक रजिया सुल्तान का निधन हुआ।

1529: सुल्तान बहादुर शाह गुजरात की गद्दी पर बैठे।

1686: मुगल बादशाह औरंगजेब ने बीजापुर के साथ शांति समझौता किया।

1935: टाटा एयरलाइन (अब एयर इंडिया) की पहली उड़ान भरी गई। 1956: डॉ. भीमराव अंबेडकर ने नागपुर की दीक्षाभूमि पर अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था।

2003: चीन ने अपना पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन ‘शेंगोउ 5’ लॉन्च किया। विश्व छात्र दिवस : पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस के रूप में घोषित किया था।

व्यंग्य केसरी

रिप लिखने से पुण्य मिलता है



रविकान्त राउत

सुबह मोबाइल खोला तो पता चला कि चौबे जी नहीं रहे। यह खबर उनके बेटे ने नहीं, फेसबुक ने दी। ऊपर मुस्कुराती हुई तस्वीर थी और नीचे लिखा था— ‘ ? शांति RIP ।’

उसके नीचे श्रद्धांजलियों की ऐसी बाढ़ थी, जैसे चुनाव के दिनों में वादों की आती है। कोई लिख रहा था— ‘अविश्वसनीय’, कोई— ‘बहुत बड़ी क्षति।’ एक

दोपहर तक उनके निधन की खबर सैकड़ों लोगों तक पहुँच गई। शाम तक हजारों ‘ऋद्धक’ लिखे जा चुके थे। मोहल्ले के शर्मा जी ने पूछा, ‘यह आरआईपी होता क्या है?’ अर्थ समझाने पर बोले, ‘मैं तो समझा कोई सरकारी योजना होगी।’

फिर गंभीर होकर बोले, ‘जीते-जी आदमी के लिए दो मिनट नहीं होते और मरने के बाद लोग अंग्रेजी में शांति भेज रहे हैं।’ बात सही थी। अस्पताल जाने के लिए चौबे जी को रिश्तेवाला ढूँढना पड़ता था, दवा लाने वाला कोई नहीं मिलता था। लेकिन अब उनकी तस्वीर के नीचे रोते हुए इमोजी सज रहे थे।

आधुनिक समाज बड़ा दयालु हो गया है। उसे मृतकों से बहुत प्रेम है, जीवित लोगों से थोड़ी असुविधा होती है। जीवित आदमी को समय देना पड़ता है, उसकी बातें सुननी

कविता	
पेशे मसलन करें...!	
	शक्ति का आराधन
	करें हम,
	शौर्य का अभिनंदन
	करें हम।
डॉ. रामेश्वरम तिवारी	सुरभि से जगति को
	महकाएँ,
	भाल- तिलक चंदन
करें हम।	
राग औ 'द्वेष से ऊपर उठकर,	
वासना का दमन करें हम।	
पितृ वचन को जिएँ औ' मरें,	भोपाल
राम की तई पालन करें हम।	(मो) 8085014478

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले रातोंरात चमकीं शिवरीनारायण की बदहाल सड़कें

लंबे समय से धूल और गड़बों से जूझ रहे नगरवासियों को मिली राहत

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक एवं व्यापारिक नगरी शिवरीनारायण में बदहाल सड़कों, उड़ती धूल और जगह-जगह खराब मार्गों से परेशान नगरवासियों को आखिरकार राहत मिलने लगी है। लंबे समय से सड़कों की दुर्दशा को लेकर शिकायतें उठ रही थीं। नगरवासी धूल से निजात दिलाने और सड़कों की मरम्मत कराने की मांग कर रहे थे। लेकिन संबंधित विभागों के बीच जिम्मेदारी और कार्रवाई को लेकर कथित टालमटोल के बीच समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था। ऐसे में नगर पंचायत अध्यक्ष ने एक ऐसी पहल की, जिसने अचानक पूरे घटनाक्रम की दिशा बदल दी। दशहरा महोत्सव में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करने की पहल के बाद जैसे ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय हुआ, नगर की बदहाल सड़कों की तस्वीर बदलने लगी। जिन सड़कों की हालत लंबे समय से सुधार की बात जोह रही थी, वहां रातोंरात काम शुरू हुआ और सड़कें चकाचक नजर आने लगीं। **शिकायतों से लेकर नगर बंद तक, फिर भी नहीं जागा सिरस्टम!**

नगर में खराब सड़कों और धूल की समस्या कोई नई बात नहीं थी। नगरवासी



लंबे समय से इस परेशानी का सामना कर रहे थे। सड़कों से उड़ने वाली धूल दुकानदारों, राहगीरों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी।

व्यापारियों को अपनी दुकानों में धूल से जूझना पड़ रहा था, वहीं राहगीरों को भी आवागमन के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। बार-बार शिकायतों और विरोध के बावजूद अपेक्षित सुधार नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। यहां तक कि नगर की समस्याओं को लेकर नगर बंद जैसे

कदम भी उठाए गए, लेकिन नागरिकों की मांगों के अनुरूप कार्रवाई की गति नजर नहीं आई। ऐसे माहौल में नगरवासियों के मन में एक ही सवाल था कि आखिर उनकी समस्या का स्थायी समाधान कब होगा? जब आम जनता की परेशानी लंबे समय से सामने थी, तो जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की?

नगर पंचायत अध्यक्ष की पहल बनी निर्णायक मोड़!

इसी बीच दशहरा महोत्सव को भव्य

स्वरूप देने और नगर में बड़े आयोजन के मद्देनजर मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित करने की पहल चर्चा में आई। नगर पंचायत अध्यक्ष की इस पहल को घटनाक्रम का निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम तय होते ही प्रशासनिक और संबंधित विभागीय गतिविधियों में तेजी दिखाई देने लगी। नगर की बदहाल सड़कों पर काम शुरू हुआ और देखते ही देखते उन मार्गों की तस्वीर बदलने लगी, जिनकी दुर्दशा को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे थे।

अध्यक्ष की इस पहल का एक सकारात्मक पहलू यह भी सामने आया कि बड़े आयोजन के बहाने ही सही, नगर की बुनियादी समस्याओं पर जिम्मेदार तंत्र का ध्यान गया। यदि इस पहल के कारण सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य में तेजी आई है, तो इससे फिलहाल नगरवासियों को राहत मिलना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस घटनाक्रम ने यह भी दिखाया कि जब किसी बड़े कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक सक्रियता बढ़ती है, तो वर्षों से लंबित दिखाई देने वाले काम भी अचानक प्राथमिकता में आ जाते हैं। यही बात अब नगर में चर्चा और बहस का विषय बनी हुई है।

स्वच्छता के दावे फैल: बुधवारी बाजार वार्ड 03 में कचरे का अंबार, संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंक्

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)।शहर के पास और व्यस्त इलाकों में शुमार बुधवारी बाजार वार्ड क्रमांक 03, शराब भट्ठी के पास इन दिनों बदहाली और भयंकर गंदगी से जूझ रहा है। स्थानीय प्रशासन और नगर



गली सब्जियां, प्लास्टिक कचरा और अन्य अपशिष्ट पदार्थ खुले में सड़ रहे हैं, जिससे उठने वाली दुर्गंध के कारण वहां खड़े रहना भी दूभर हो गया है।

बीमारियों के फैलने की आशंका से सहमे लोग

सफाई न होने के कारण इस इलाके का वातावरण लगातार दूषित होता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो क्षेत्र में हैजा ,मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड जैसी गंभीर संक्रामक

बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। जगह-जगह जमा गंदे पानी और कचरे के कारण मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप भी चरम पर है। **शासन-प्रशासन की उदासीनता पर आक्रोश**

स्थानीय रहवासियों और दुकानदारों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासनिक लापरवाही के कारण लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जनता की मांग: जल्द ही विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही, कचरे के नियमित उठान की पुख्ता व्यवस्था की जाए, ताकि आम जनता को बीमारियों के साये से बचाया जा सके।

पलाइंग किक चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिला तीसरा स्थान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित ट्रायबल स्पोर्ट्स एंड कल्चर फेस्टिवल मेयर्स कप 10वीं नेशनल पलाइंग किक भारत मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2026 में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को तीसरा स्थान दिलाया है। प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले के 15 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करते हुए कुल 12 स्वर्ण और 3 रजत पदक हासिल किए हैं।

इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के आठ राज्यों से लगभग 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में मान्यता, भावेश, आदित्य कुमार, आदित्य, मानिकपुरी, संजनी जोशी,



आसना, वाशु जैन, खुशी कुमारी, अमन गेंडारे, देवराज, आर्यन सागर, गुलमित्र बांधी, जतिन कुमार, गौरव कुमार और शिवांग सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर लौटे खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इंटरनेशनल मास्टर गणेश सागर एवं पलाइंग किक के अध्यक्ष उमाशंकर साहू ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सेवा सेतु पोर्टल से छेदी दास को मिली राहत

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर-शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं को सरल, सहज और समयबद्ध तरीके से नागरिकों तक पहुंचाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसी कड़ी में रतनपुर तहसील कार्यालय में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदक छेदी दास को मात्र एक दिन के भीतर विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। त्वरित कार्यवाही से उसे आवश्यक शासकीय कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिली है। ग्राम मौंहदा निवासी छेदी दास ने अपनी पुत्री रेनू मानिकपुरी के विवाह प्रमाण पत्र बनवाने को लिए तहसील कार्यालय रतनपुर में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से कार्यालय के संचालक के समक्ष आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा किया। उनके आवेदन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 अक्टूबर 2026 को आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई। संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाही के बाद विवाह प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। छेदी दास ने बताया कि विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा।



जिला ऑटो संघ चुनाव में अजय पानीकर अध्यक्ष निर्वाचित

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिला ऑटो संघ बिलासपुर (पेट्रोल ऑटो) के संगठनात्मक चुनाव का परिणाम घोषित हो गया है। त्रिवेणी भवन में 12 अक्टूबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अजय नगर मतगणना संपन्न हुई, जिसमें अध्यक्ष पद पर अजय पानीकर (नान भाई) ने बाजी मारी। मुख्य चुनाव अधिकारी नगर निगम वार्ड नंबर 42 देवरी खुर्द के पार्षद लक्ष्मी यादव एवं उप चुनाव अधिकारी बिज्जू राव के नेतृत्व में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सीसीटीवी कैमरे और पुलिस प्रशासन की निगरानी में कराया गया।

सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान चला। संघ में कुल 1116 मतदाता ऑटो चालक एवं मालिक हैं इसमें लगभग 91% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना परिणाम क्रमवार कोषाध्यक्ष, सह सचिव, सचिव, उपाध्यक्ष और अंत में अध्यक्ष पद के लिए की।

अध्यक्ष पद – अजय पानीकर (नान भाई) – 515 वोट – विजयी, अब्दुल वकील खान – 504 वोट, संतुला देवी पाटले – 08 वोट, जीत का अंतर – 11 वोट।

उपाध्यक्ष पद – शेख वजीर – 391 वोट – विजयी (145 वोटों से), अब्दुल रुज्जाक – 246, पुरुषोत्तम टंडन – 198, जीवन बंजारे – 181।

सचिव पद – जराड वेनहालटेन – 704 वोट – विजयी (395 वोटों से), लोमस कुर्रे – 309 वोट।

सह सचिव पद – जितेन्द्र खांडे – 439 वोट – विजयी (135 वोटों से), रामकुमार बघेल – 304, देव कुर्रे – 260।

कोषाध्यक्ष पद – ताम्रध्वज साहू – 652 वोट – विजयी (305 वोटों से) मो. मेराज – 347 वोट।

मतगणना उपरांत मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा सभी विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

युवती से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के हिरा थाना क्षेत्र के ग्राम खरकेना में पड़ोसी महिला से कथित छेड़छाड़ और बीच-बचाव करने पहुंचे उसके ससुर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर



न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 12 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 6 बजे पीड़िता के घर-आंगन में हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पड़ोसी विकास चतुर्वेदी (19) ने महिला की हाथ-बांह पकड़ी। विरोध करने और बीच-बचाव करने पहुंचे उसके ससुर के साथ भी मारपीट कर चोट पहुंचाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हिरा पुलिस ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। पूछताछ के दौरान पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। इसके बाद 13 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 325/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 296, 115(2), 351(3) और 3 (5) में पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

414 छात्राओं को वितरित की गई बालिका स्वच्छता सामग्री

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। बालिकाओं के स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं आत्मसम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 13 अक्टूबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, अकलतरा में बालिका स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 414 छात्राओं को बालिका स्वच्छता सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एवं अकलतरा विधानसभा के पूर्व विधायक सौरभ सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन और बेहतर भविष्य के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता आवश्यक है।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री नंद चौधरी, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश्वर



पाटले, जिला उपाध्यक्ष शमीर शुक्ला, जनभगीदारी अध्यक्ष एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष तथा जिला सहसंयोजक व्यापार प्रकोष्ठ चंदन शर्मा, सुमित चंदेल महामंत्री श्याम चौधरी पुरुषोत्तम नामदेव दिनेश दास राज शर्मा बंटी सिंह काति भरिया दीपक नागदेव कुलदीप गौतम दारता देवांगन पिंकी बघेल सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं महिला मोर्चा की सदस्य उपस्थित रहीं। शिक्षा विभाग की ओर से विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवकांत द्विवेदी तथा विद्यालय के प्राचार्य एच.आर. चौहान सहित शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में

शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किशोरावस्था में बालिकाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी सही जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है।

ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में जागरूकता बढ़ती है और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती हैं। बालिकाओं को स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल उनके स्वास्थ्य, सुविधा एवं सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज में जनसेवा, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का संदेश रहा कि स्वस्थ बालिका ही सशक्त समाज और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

किसानों ने श्रमदान कर की लारिपारा व्यपवर्तन नहर की सफाई की

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत तखतपुर विकासखंड के ग्राम खरागहनी एवं खरागहना के किसानों ने सामूहिक श्रमदान कर लारिपारा व्यपवर्तन योजना की मुख्य नहर की सफाई की। दोनों गांवों से करीब 10 से 15 किसानों ने इस कार्य में भाग लेकर मुख्य नहर के लगभग 2 से 3 किलोमीटर हिस्से की सफाई की।

किसानों की इस पहल से नहर में पानी का प्रवाह सुचारु रूप से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने में मदद मिलेगी। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से किसानों ने सिंचाई संसाधनों की देखभाल के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। सेवा संकल्प



अभियान के तहत किसानों का यह प्रयास जनसहभागिता का प्रेरक

जरूरतों के साथ सामुदायिक के लिए किया गया यह श्रमदान मजबूत करता है।

सेवा और सहयोग की भावना को

150 हितग्राहियों को निःशुल्क चरमा वितरण सौरभ सिंह ने कहा—जनसेवा ही सबसे बड़ा संकल्प

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क चरमा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने नेत्र परीक्षण के बाद चयनित 150 हितग्राहियों को निःशुल्क चश्मे प्रदान किए। इस पहल के माध्यम से ज़रूरतमंद लोगों को दृष्टि संबंधी समस्याओं से राहत दिलाने तथा उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को चश्मे वितरित करते हुए सौरभ सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य जनसेवा की भावना को मजबूत करना और समाज के ज़रूरतमंद लोगों तक कल्याणकारी गतिविधियों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर जनसेवा के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। **ज़रूरतमंदों की सहायता ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य : सौरभ सिंह** सौरभ सिंह ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी पहल की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। ज़रूरतमंदों की समस्याओं को समझकर उनकी सहायता करना ही जनसेवा का वास्तविक अर्थ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जाने वाले ऐसे प्रयास लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि अखंड मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और दृष्टि संबंधी परेशानी का असर व्यक्ति की दिनचर्या पर पड़ता है। समय पर नेत्र परीक्षण तथा आवश्यकता के अनुसार चरमा उपलब्ध होने से लोगों को पहले-से लिखने और रोजमर्रा के कार्यों में सुविधा मिल सकती है।

शेयर बाजार लाल निशान में बंद फार्मा और फाइनेंशियल सर्विसेज पर रहा दबाव

विश्व केसरी ■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 251.89 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,781.89 और निफ्टी 99.25 अंक या 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,622.70 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का काम फार्मा और फाइनेंशियल सर्विसेज स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज करीब एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी कंजेशन लाल निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी मीडिया और निफ्टी इंडिया डिफेंस हरे निशान में बंद हुए।



लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट हुई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 62.60 अंक या 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,384.80 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 50.10 अंक या 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,409.10 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचयूएल, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और कोटक महिंद्रा बैंक हरे निशान में थे। बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, इटनल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, सन फार्मा, एलएंडटी, टाइटन, ट्रेट, एशियन

पेंट्स, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एसबीआई लाल निशान में थे। जानकारों ने कहा कि हाल की बढ़त के बाद प्रॉफिट बुकिंग की वजह से भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का सत्र उतार-चढ़ाव वाला रहा। इंट्राडे में कच्चे तेल की कीमतों में कमी, आरबीआई के विदेशी मुद्रा से जुड़े उपायों के बाद रुपए की मजबूती और एलटीसीजी टैक्स व एसटीटी की संभावित समीक्षा की उम्मीदों से बाजार को कुछ सहारा मिला।

हालांकि, उम्मीद से ज्यादा घरेलू थोक महंगाई आंकड़ों ने बॉन्ड यील्ड को बढ़ा दिया, जिससे सख्त मॉनेटरी पॉलिसी की आशंका फिर से बढ़ गई और ऑटोमोबाइल, प्राइवेट बैंकों और मेटल सेक्टर पर दबाव पड़ा। इस बीच, आईटी, एफएमसीजी और पीएसयू बैंकों से मिली अच्छी बिजनेस अपडेट्स ने मुश्किल व्यापक आर्थिक माहौल के बावजूद मजबूत कमाई की संभावना वाली और फंडामेंटल रूप से मजबूत कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी को और बढ़ाया।

भारत में 2026 के त्योहारी सीजन में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान: कैट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में 2026 के त्योहारी सीजन (नवरात्रि से लेकर दीपावली तक) में कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंचने का अनुमान है, यह पिछले साल के आंकड़े से 15-18 प्रतिशत है। यह जानकारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से दी गई।

कैट के नेशनल सेक्रटरी जनरल और चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह अनुमान अलग-अलग राज्यों के व्यापार संघों और बाजारों से मिली जानकारी, ग्राहकों की मांग, त्योहारों के दौरान खरीदारी के ट्रेंड और ग्रामीण व अर्ध-शहरी इलाकों में बढ़ी हुई कमर्शियल गतिविधियों पर आधारित था।

उन्होंने कहा कि पिछले साल त्योहारों के दौरान कुल कारोबार लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपए का सामान और 65,000 करोड़ रुपए की सेवाएं शामिल थीं। कैट के अनुसार, मौजूदा त्योहारी सीजन



में सर्विस सेक्टर में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है और इसका कारोबार 80,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए के बीच रहने का अनुमान है। त्योहारों के समय बढ़ने वाली मांग से ट्रांसपोर्टेशन, लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स डिलीवरी, वेयरहाउसिंग, होटल, रेस्टोरेंट, टूरिज्म, कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट और लोकल ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टर को फायदा होने की उम्मीद है।

कैट के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान होने वाले व्यापार में ग्रोसरी और फास्ट-

मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, इसके बाद सोना, चांदी और ज्वेलरी का नंबर आता है जिनकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल सामान की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रेडीमेड कपड़े और गिफ्ट आइटम की हिस्सेदारी 7-7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापारी संगठन ने कहा कि होम डेकोर और फर्नीचर व फर्निशिंग की हिस्सेदारी 5-5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

ग्रो का मुनाफा सितंबर तिमाही में घटा आय 1,500 करोड़ रुपए अधिक रही

विश्व केसरी ■
मुंबई। ब्रोकिंग फर्म ग्रो की प्रवर्तक कंपनी बिलियनब्रैन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड ने बुधवार की सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का कर के बाद मुनाफा जुलाई-सितंबर अवधि में तिमाही आधार पर करीब 1.50 प्रतिशत घटकर 724.70 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि जून तिमाही में 735.04 करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 27 की सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन से आय करीब 1,501.53 करोड़ रुपए पर सपाट रही है, जो कि जून तिमाही में 1,501.42 करोड़ रुपए थी।

इस दौरान कंपनी की अन्य आय 47.25 करोड़ रुपए से घटकर 39.01 करोड़ रुपए रह गई है।

सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय में भी कमी देखी गई है, जो कि जून तिमाही के 1,548.67 करोड़ रुपए से घटकर 1,540.54 करोड़ रुपए रह गई है।



इस दौरान कंपनी का कुल खर्च भी सपाट रहा है। सितंबर तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 555.93 करोड़ रुपए रहा है, जो कि जून तिमाही में 555.68 करोड़ रुपए था।

कंपनी की ओर से जारी किए गए नतीजों में बताया गया कि वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर अवधि) में उसका कैश फ्लो नकारात्मक -900.12 करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल

की समान अवधि में -159.41 करोड़ रुपए था।

नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखी गई। यह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोपहर 2:34 बजे 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 192.68 रुपए पर था।

बीते एक महीने में शेयर ने करीब 2.50 प्रतिशत की नकारात्मक रिटर्न दिया है। वहीं, बीते छह महीने में शेयर ने 7.54 प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

वहीं, इस साल की शुरुआत से अब तक ग्रो ने 24 प्रतिशत और बीते एक साल में 46 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

इसके अलावा, भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा था। सेंसेक्स 228 अंक या 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72,807 और निफ्टी 88 अंक या 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,634 पर था।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने यूएई के कारोबारी से 2,800 करोड़ रुपए वसूलने के लिए शुरू की प्रक्रिया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने बुधवार को कहा कि वह यूएई के कारोबारी बीआर शेट्टी से 2,800 रुपए वसूलने के लिए भारत और यूएई में कोशिशें कर रहा है और उनके खिलाफ कई अदालती आदेश हासिल कर चुका है।

बैंक ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब यूएई आधारित कंपनी एनएमसी हेल्थ के संस्थापक शेट्टी ने बैंक के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में केस दायर किया है और ग्रुप की कंपनियों से जुड़े कथित फ्रांड के मामले में 15 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग की है।

वहीं, सरकारी बैंक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वह अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा।

स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी में बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, 'बैंक को ऐसा कोई मुकदमा नहीं मिला है और बैंक उन दावों या



आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता जिनकी अदालत में अभी तक जांच नहीं हुई है। जब बैंक को मुकदमे की सूचना मिलेगी, तो बैंक मजबूती से अपना पक्ष रखेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।'

बैंक ने यह भी बताया कि अपने हितों को कोर्ट ने 2021 में शेट्टी को अपनी संपत्ति का लेनदेन करने या उसे किसी और को ट्रांसफर करने से रोक दिया था। बाद में नेशनल कंपनी लाॅ ट्रिब्यूनल में हुई कार्यवाही के दौरान शेट्टी ने कहा था

कि वह दिवालिया हो चुके हैं और बैंक का बकाया नहीं चुका सकते। बैंक ने आगे कहा कि शेट्टी ने पहले भी न्यूयॉर्क राज्य की सुप्रीम कोर्ट में बैंक के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जिसे खारिज कर दिया गया था। शेट्टी का आरोप है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और उसके कई मौजूदा और पूर्व कर्मचारियों ने एक ऐसे फ्रांड में मदद की, जिसकी वजह से खाड़ी देशों में काम करने वाला हेल्थकेयर ग्रुप डूब गया। एक समय गल्फ की सबसे

बड़ी प्राइवेट हेल्थकेयर कंपनी रही एनएमसी को महीनों की फाइनेंशियल गड़बड़ियों के बाद 2020 में एडमिनिस्ट्रेशन के तहत लाया गया था। कंपनी ने 6.6 अरब डॉलर के कर्ज का खुलासा किया, जो पहले के 2.1 अरब डॉलर के अनुमान से कहीं ज्यादा था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में बताई गई बातें अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) कोर्ट में चल रही कार्यवाही का भी हिस्सा थीं। इस कोर्ट में शेट्टी और एनएमसी हेल्थकेयर के पूर्व सीईओ प्रशांत मंगहट के खिलाफ धोखाधड़ी, गलत तरीके से ट्रेडिंग और धोखाधड़ी वाली ट्रेडिंग के आरोपों पर फैसला सुरक्षित रखा गया था। बैंक ने बताया कि एनएमसी ग्रुप के जाँट एडमिनिस्ट्रेटर्स के साथ समझौते के बाद उसके खिलाफ एडीजीएम की कार्यवाही रोक दी गई थी।

कर्नाटक सीएम ने चेक कंपनियों को किया आमंत्रित, कहा- बेंगलुरु से आगे भी करें निवेश



विश्व केसरी ■
बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को चेक गणराज्य की कंपनियों से बेंगलुरु से आगे, राज्य के अन्य जिलों में भी निवेश का विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने निवेशकों को समर्थन का आश्वासन देते हुए कई क्षेत्रों में अवसरों पर प्रकाश डाला।

डीके शिवकुमार ने कहा, 'कर्नाटक चेक गणराज्य का दीर्घकालिक भागीदार रहेगा। चेक कंपनियों को अपना निवेश सिर्फ बेंगलुरु तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कर्नाटक के विभिन्न जिलों में अवसरों की तलाश करनी चाहिए।'

वह बेंगलुरु के विधानसभा में चेक गणराज्य के उप प्रधानमंत्री करेल हावलीचेक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान बोल रहे थे। डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक कृषि, वानिकी, बागवानी और फूलों की खेती में अग्रणी राज्यों में से एक है और प्रतिनिधिमंडल से राज्य को

संभावित निवेश गंतव्य के रूप में विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश के कुछ सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों और सबसे पुरानी पनबिजली सुविधाओं का घर है। राज्य की पर्याप्त ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए, इस क्षेत्र में निवेश की काफी गुंजाइश है।

उन्होंने चेक कंपनियों को ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), अगली पीढ़ी की मोबिलिटी, टेस्टिंग और विशेष विनिर्माण में सहयोग तलाशने के लिए भी आमंत्रित किया। सीएम शिवकुमार ने कहा कि उन्हें चेक प्रतिनिधिमंडल की एयररोस्पेस क्षेत्र में निवेश करने में रुचि के बारे में बताया गया है।

इस तरह की पहल से कर्नाटक और चेक गणराज्य के बीच सहयोग के और रास्ते खुल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार इन्वेस्ट कर्नाटक, कर्नाटक उद्योग मित्र, कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) और राज्य की सिंगल-विंडो

क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से इच्छुक कंपनियों को सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि ये तंत्र कंपनियों को उपयुक्त स्थानों का आकलन करने, लागू अनुमोदन कार्यक्रम में डॉक्टरों, ब्रेस्ट कैंसर से उबर चुकी महिलाओं तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. मौ रॉय, सीनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. रवि

रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर में शुरू की समर्पित 'ब्रेस्ट केयर क्लिनिक

विश्व केसरी ■

रायपुर (संवाददाता)। महिलाओं को स्तन संबंधी बीमारियों के लिए समय पर जांच, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप उपचार और बेहतर फॉलो-अप की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर में समर्पित 'ब्रेस्ट केयर क्लिनिक' की शुरुआत की।

इस क्लिनिक का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर एवं रायपुर स्थित RUSH Fitness की संस्थापक आकांक्षा मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप देवे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉक्टरों, ब्रेस्ट कैंसर से उबर चुकी महिलाओं तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. मौ रॉय, सीनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं क्लिनिकल डायरेक्टर - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. रवि



जायसवाल, सीनियर मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष - मेडिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. गौरव गुप्ता, सीनियर रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष - रेडिएशन ऑन्कोलॉजी; डॉ. नवीन जैन, सीनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट; डॉ. नीरू केरकेट्टा, सीनियर कंसल्टेंट - न्यूक्लियर मेडिसिन; डॉ. अक्केला फर्नेंद्र, कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट; डॉ. रुचिर धाकड़,

कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट सहित अस्पताल के अन्य वरिष्ठ डॉक्टर एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

1,499 रुपए में ब्रेस्ट हेल्थ स्क्रीनिंग

पैकेज
महिलाओं को अपने स्तन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट

द्वारा 1,499 रुपए का ब्रेस्ट हेल्थ स्क्रीनिंग पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पैकेज में क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन, सोनामैमोग्राफी तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ या कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श शामिल है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के लिए स्तन स्वास्थ्य संबंधी जांच की अधिक सुलभ बनाना और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जांच और इमेजिंग की आवश्यकता का निर्धारण महिला की उम्र, लक्षणों, व्यक्तिगत जोखिम और चिकित्सकीय स्थिति के आधार पर किया जाएगा।

'पिंक टॉक्स' में स्तन में गांठ की जांच और निदान पर चर्चा

क्लिनिक के शुभारंभ के अवसर पर रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी सोसाइटी तथा रायपुर मेनोपांथ सोसाइटी के सहयोग से 'पिंक टॉक्स' नामक एक संवादात्मक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

सितंबर में थोक महंगाई में तेज उछाल, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 11.39 प्रतिशत पहुंची, आउटपुट पीपीआई भी बढ़ा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में थोक महंगाई सितंबर 2026 में और बढ़ गई है। बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक (होलसेल प्राइस इंडेक्स-डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2026 में बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त 2026 में 9.92 प्रतिशत थी। यह लगातार बढ़ती लागत और कच्चे माल की कीमतों के दबाव को दर्शाता है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह लगातार दूसरा महीना है जब थोक महंगाई में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सितंबर में सभी वस्तुओं का संयुक्त थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 112.5 पर पहुंच गया, जो



अगस्त में 110.8 था। आंकड़ों के मुताबिक, महंगाई का दबाव केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्राथमिक वस्तुओं, इंधन और

ऊर्जा तथा विनिर्माण क्षेत्र तीनों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली। सितंबर में प्राथमिक वस्तुओं की मुद्रास्फीति 8.67 प्रतिशत, इंधन

एवं ऊर्जा क्षेत्र की 25.85 प्रतिशत और विनिर्मित उत्पादों की 9.76 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त में ये दरें क्रमशः 7.76 प्रतिशत, 22.93 प्रतिशत और 8.37 प्रतिशत थीं। इससे स्पष्ट है कि लागत का दबाव उत्पादन शृंखला के विभिन्न स्तरों पर मौजूद है। प्राथमिक वस्तुओं का सूचकांक 120.3, इंधन एवं ऊर्जा का 110.5 और विनिर्मित उत्पादों का 110.2 दर्ज किया गया, जो अगस्त के मुकाबले अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, कच्चा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयला एवं लिग्नाइट, बेसिक मेटलस, रसायन, वस्त्र, रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद तथा विद्युत उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी थोक महंगाई को ऊपर ले जाने वाले प्रमुख कारक रहे।

40 साल का श्याम दिन भर में 5 चम्मच चावल और 3 रोटी खाता है, फिर भी ब्लड शुगर का मीटर रहता है हाई?



श्याम 40 साल का है. वह मल्टीनेशनल कंपनी में काम करता है. पिछले कुछ दिनों से वह परेशान है. उसका फास्टिंग ब्लड शुगर 140 को पार कर जाता है. शुगर के डर से वह सिर्फ 5 चम्मच चावल और 3 चम्मच रोटी खाता है. इसके बावजूद ये हाल है. आखिर ऐसा क्यों होता है. आइए इसके बारे में सी के बिड़ला अस्पताल में डायबेट्स, ओब्सिटी एंड मेटाबोलिक क्लीनिक के डायरेक्टर डॉ. पारस अग्रवाल से

जानते हैं. यह कहानी थोड़ा हटके है. इससे पहले ये बता दें कि अब इस बात का कोई मतलब नहीं कि डायबिटीज 50 या 60 साल के बाद के लोगों को होती है. यहां 40 साल के श्याम की कहानी बता रहा हूं. श्याम डायबिटीज की चपेट में हैं. साल भर पहले ही उसे पता चला कि उसे डायबिटीज है. तब से वह पूरी तरह परहेज में रहता है. वह कभी भी अब मीठी चीजें नहीं खाता. यहां

तक कि चावल भी वह चार से पांच चम्मच पूरे दिन में खाता है और सिर्फ 3 रोटियां खाता है. जब वह पहली बार टेस्ट कराया था तो फास्टिंग ब्लड शुगर 160 था और HbA1c 6.9 था. अब जब वह परहेज करने लगा है तो HbA1c 6.7% रह गया है लेकिन फास्टिंग ब्लड शुगर 140 से कम नहीं हो रहा है. आखिर इसका क्या कारण है कि शुगर नहीं घट रही है. यही सवाल हमने सी के बिड़ला अस्पताल में

डायबेट्स, ओब्सिटी एंड मेटाबोलिक क्लीनिक के डायरेक्टर डॉ. पारस अग्रवाल से जानना चाहा. पहला कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस डॉ. पारस अग्रवाल ने बताया कि अगर श्याम हेल्दी है और पूरी तरह से परहेज में रहता है, इसके बावजूद ब्लड शुगर 140 से नीचे नहीं आती तो इसका मतलब है कि श्याम टाइप 2 डायबिटीज का शिकार हो गया है. ऐसे मामलों में सबसे ज्यादा इंसुलिन रेजिस्टेंस का जोखिम रहता है. मतलब इंसुलिन तो बनता है लेकिन वह सही से काम नहीं कर रहा है. इंसुलिन एक हार्मोन है जो कार्बोहाइड्रेट या शुगर को पचाकर उसे एनर्जी में बदल देता है. जब यह एनर्जी में नहीं बदलेगा तो शुगर खून में बढ़ता जाएगा. यही श्याम के साथ हो रहा होगा. अब यह समझिए कि इंसुलिन रेजिस्टेंस क्यों हो जाता है. डॉ. पारस अग्रवाल ने बताया कि इंसुलिन एक कैरियर है और यह खून से ग्लूकोज को ढोकर मांसपेशियों तक पहुंचाता है जहां यह एनर्जी में बदल जाता है. लेकिन रेजिस्टेंस की वजह से मांसपेशियों की कोशिकाओं में पहुंच ही नहीं पाता. यह ठीक उसी तरह है जैसे आप एक ट्रक से सामान लेकर बाँहर कर जा रहे हैं लेकिन वहां जाने से पहले आपको रोक दिया जाता है क्योंकि आपके पास गेट पास नहीं है. नतीजतन सामान ट्रक में ही फंसा रहता है या ट्रक से बाहर कहीं रख दिया जाता है. ठीक इसी तरह इंसुलिन तो बनता है लेकिन मांसपेशियों वाली कोशिकाओं की सतह पर मौजूद इंसुलिन रिसेप्टर्स सही से काम नहीं करते. इसलिए इंसुलिन रेजिस्टेंस की स्थिति में कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति संवेदनशील नहीं रह जातीं. इससे यह रिसेप्टर-लिंगेंड बाइंडिंग और सिग्नलिंग को बाधित कर देता है. परिणामस्वरूप, ग्लूकोज कोशिकाओं के अंदर प्रवेश नहीं कर पाता और खून में ही जमा रहता है. दूसरा कारण लिवर ग्लूकोज बनाने लगता

डॉ. पारस अग्रवाल बताते हैं कि इसका दूसरा कारण लिवर के स्तर पर रेजिस्टेंस होगा. आमतौर पर ऐसे मरीजों का वजन थोड़ा बढ़ा हुआ होगा और उसे फैटी लिवर डिजॉज भी हो सकता है. दरअसल, जब हम रात भर सोते हैं तो उस दौरान शरीर में एनर्जी प्रदान करने की जिम्मेदारी लिवर की होती है. सामान्य स्थिति में इंसुलिन हार्मोन लिवर को रात में अतिरिक्त ग्लूकोज रिलीज करने से रोकता है. लेकिन इंसुलिन रेजिस्टेंस की स्थिति में लिवर पर इंसुलिन का नियंत्रण कमजोर हो जाता है।

सिंधु सभ्यता से वैश्विक बाजार तक भारत के सूत की यात्रा



आचार्य ललित मुनि

हमारे घरो में कपास का उपयोग इतना सामान्य है कि हम उसके बारे में सोचते भी नहीं। दीपक की बाती में, आरती की थाली में, कमीज के कपड़े में, बिस्तर की चादर में, तौलिये में, बच्चे के पहनने के कपड़े में और कभी घाव पर रखी जाने वाली पट्टी में भी सूत हमारे साथ रहता है।

खेत में कपास का पौधा खड़ा होता है तो वह एक फसल दिखाई देता है, लेकिन उसके फूल से निकला सूत जब धागा बनकर कपड़े तक पहुंचता है, तब उसका रूप ही बदल जाता है। यही धागा कभी व्यापारी के माल के साथ समुद्र पार गया, कभी यूरोप के बाजार में भारतीय कपड़ों की पहचान बना।

कपास के महत्व को हमें हजारों वर्ष पीछे जाना पड़ेगा, उस समय तक जब न आधुनिक मिलें हों, न मशीनें से चलने वाले कपड़े और न वैश्विक बाजार की आज

जैसी कोई स्थिति, तब तन ढंकरने के लिए सूत का कपड़ा ही सहायक था। मेहरगढ़ की एक प्राचीन कब्र में तांबे के मनके के भीतर सुरक्षित मिले कपास के सूत से हमें इसकी प्राचीनता ज्ञात होती है। आगे चलकर सिंधु सभ्यता के नगरों में यही सूती धागे और वस्त्र का रूप ले चुके थे।

बुनकरों के हाथों से बने भारतीय सूती कपड़े समुद्री रास्तों से दूर देशों तक पहुंचे। भरूच जैसे बंदरगाहों से उनका व्यापार हुआ। यूरोप में भारतीय कपड़ों की ऐसी मांग बनी कि वहां के अपने वस्त्र उद्योग को उनसे प्रतिस्पर्धा महसूस होने लगी। लेकिन इतिहास एक जगह ठहरता नहीं। मशीनें आईं और कपड़े के उत्पादन का ढंग बदल गया। भारत, जो कभी तैयार सूती कपड़ों का बड़ा निर्यातक था, धीरे-धीरे ब्रिटिश मिलों के लिए कच्ची कपास देने वाले देश में बदलता गया।

और फिर इसी कपास का एक दूसरा रूप सामने आया। गांधी के हाथ में चरखा आया। कपास का धागा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं रहा, वह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की आवाज बन गया। आज 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कपास को केवल एक फसल की तरह देखना उसके इतिहास को

बहुत छोटा कर देना होगा। इसके साथ किसान की मेहनत है, बुनकर का हुनर है, समुद्री प्राचीन व्यापार की यादें हैं, औद्योगिक परिवर्तन है और स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

कपास के प्राचीन इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी तत्कालीन भारत एवं वर्तमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित मेहरगढ़ से मिलती है। वहां छठी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की एक कब्र में मिले तांबे के मनके के भीतर कुछ रेशे सुरक्षित मिले थे। सूक्ष्मदर्शी जांच में इन्हें त्रिशद्विह्वल, यानी कपास के रेशों के रूप में पहचाना गया। 2002 में प्रकाशित शोध ने इसे पुरानी दुनिया में कपास के सबसे प्राचीन ज्ञात प्रमाण के रूप में दर्ज किया।

इसके बाद मोहनजोदड़ो से कपास के वस्त्र का प्रमाण मिलता है। एक चांदी के पात्र के ढक्कन से निपके कपड़े के टुकड़े की चांदी के लवणों ने बचा लिया था। जांच में उसके रेशे कपास के पाए गए और इसका काल लगभग 3000 से 2750 ईसा पूर्व माना गया। सिंधु सभ्यता के लोग कपास के रेशे को धागे और वस्त्र में बदलना जानते थे।

पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और बौद्ध साहित्य में बुनाई, सूत और वस्त्रों से जुड़े उल्लेख मिलते हैं।

नैनीताल-मसूरी नहीं, बागेश्वर की इस जगह से दिखता है हिमालय का 180 डिग्री व्यू, सूर्योदय होते ही बदल जाता है नजारा



उत्तराखंड में एक ऐसी जगह है, जहां से हिमालय की कई बर्फीली चोटियां एक साथ नजर आती हैं. बागेश्वर का कौसानी समुद्र तल से करीब 1,890 मीटर की ऊंचाई पर बसा है और यहां से साफ मौसम में हिमालय का करीब 180 डिग्री का नजारा दिखाई देता है. सुबह सूरज की पहली किरणें जब बर्फ से ढकी चोटियों पर पड़ती हैं, तो पहाड़ सुनहरे रंग में चमकने लगते हैं. यहां से नंदा देवी, त्रिशूल और पंचचूली जैसी प्रमुख चोटियां भी देखी जा सकती हैं. महात्मा गांधी से जुड़ा अनासक्ति आश्रम भी कौसानी की खास पहचान है. जानिए हिमालय दर्शन के लिए मशहूर इस हिल स्टेशन में क्या-क्या खास है.

उत्तराखंड में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पहुंचकर पहाड़ों की खूबसूरती को करीब से महसूस किया जा सकता है. इन्हीं में से एक है बागेश्वर जिले का कौसानी. यहां दूर-दूर तक फैले पहाड़, शांत माहौल और बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां पर्यटकों का मन मोह लेती हैं. समुद्र तल से करीब 1,890 मीटर की ऊंचाई पर बसा कौसानी खास तौर पर हिमालय दर्शन के लिए जाना जाता है. साफ मौसम में यहां से हिमालय की करीब 180 डिग्री तक फैली पर्वत श्रृंखला दिखाई देती है. अगर आप पहाड़ों के बीच कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो कौसानी घूमने के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है. स्थानीय जानकार और वरिष्ठ पत्रकार विपिन जोशी बताते हैं कि कौसानी की सबसे बड़ी खासियत यहां से दिखाई देने वाला हिमालय का विस्तृत नजारा है।

36 दिन जेल में रहे, फिर मैदान पर जड़ा शतक, अभिषेक पोरेल की जिंदगी से सीखें मुश्किल वक्त में संभलने के 7 तरीके



अभिषेक पोरेल ने जेल में करीब 36 दिन बिताने के बाद जमानत पर बाहर आकर रणजी ट्रॉफी में शतक लगाया. उनकी कहानी मुश्किल वक्त में खुद को संभालने, भावनाओं को स्वीकार करने, अपने लक्ष्य पर ध्यान देने और नई शुरुआत के मौके पहचानने की सीख देती है. जिंदगी में कुछ ऐसे दौर आते हैं, जब इंसान के लिए अपने रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो जाता है. भविष्य की चिंता, लोगों की बातें और हालात का

दबाव मन को परेशान कर सकता है. ऐसे में खुद को संभालना और जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश जारी रखना आसान नहीं होता. बंगाल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की कहानी भी एक ऐसे मुश्किल दौर से जुड़ी है, जिसने उनके क्रिकेट कैरियर और निजी जिंदगी को प्रभावित किया. करीब 36 दिन जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए अभिषेक ने रणजी ट्रॉफी में वापसी की और दिल्ली के खिलाफ नाबाद शतक लगाया. शतक पूरा करने के

बाद वह मैदान पर भावुक हो गए. उनकी इस वापसी से मुश्किल समय में खुद को संभालने की 7 बातें सीखी जा सकती हैं. अभिषेक पोरेल घरेलू क्रिकेट में बंगाल और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल चुके विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं. साल 2026 में वह एक गंभीर कानूनी मामले के चलते चर्चा में आए. एक महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ और उन्हें गिरफ्तार किया गया. करीब 36 दिन जेल में रहने के बाद सितंबर

2026 में उन्हें जमानत मिली. इसके बाद रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने नाबाद 114 रन बनाए. शतक पूरा करने के बाद अभिषेक भावुक हो गए. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने बताया कि वह रोना नहीं चाहते थे, लेकिन अपने आंसू रोक नहीं पाए. उन्होंने यह भी कहा कि मुश्किल दौर ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया है. हालांकि, उनके खिलाफ लगे आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत की प्रक्रिया के बाद ही होगा. अभिषेक पोरेल की जिंदगी से सीखने वाली 7 बातें

1. मुश्किल समय में खुद को पूरी तरह अकेला न पड़ने दें जब जिंदगी में कोई बड़ी परेशानी आती है, तो इंसान कई बार दूसरों से बात करना बंद कर देता है. उसे लगता है कि कोई उसकी स्थिति नहीं समझेगा. लेकिन परेशानी के समय भरोसेमंद लोगों से बात करना मन का बोझ कम करने में मदद कर सकता है. अभिषेक का मुश्किल दौर हमें याद दिलाता है कि मानसिक रूप से संभले रहना कितना जरूरी है. अगर आप भी किसी परेशानी से गुजर रहे हैं, तो खुद को सबसे अलग करने के बजाय परिवार, दोस्तों या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करें।

कामकाजी मां हैं? बच्चों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अपनाएं ये 7 आसान तरीके



कामकाजी माताओं के लिए बच्चों के साथ संतुलन बनाना चुनौती है. बच्चों को आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाने के लिए 7 आसान तरीकों से कम समय में भी बेहतर परिणाम मिल सकते हैं. तो आप इस तरह दोनों के बीच ही सही तालमेल बना सकते हैं.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कामकाजी माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है ऑफिस और परिवार के बीच संतुलन बनाना. कई बार मां को लगता है कि व्यस्तता की वजह से वह बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं. हालांकि बच्चों का मनोबल बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदार बनाने के लिए घंटों साथ रहना जरूरी नहीं है, बल्कि आपके साथ बिताए गए कुछ अच्छे पल भी बड़ा असर डाल सकते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 7 आसान तरीके, जो बच्चों को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और मेहनती बनाने में मदद कर सकते हैं.

1. हर दिन क्वालिटी टाइम दें चाहे दिन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, बच्चों के साथ कम से कम 20 से 30 मिनट जरूर बिताएं इस दौरान उनसे स्कूल, दोस्तों और दिनभर के अनुभवों के बारे में बात करें. इससे बच्चे भावनात्मक रूप से मजबूत बनते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है.

2. बच्चों की छोटी उपलब्धियों की सराहना करें बच्चा यदि कोई छोटा काम भी अच्छी तरह करता है, तो उसकी तारीफ जरूर करें. चाहे वह होमवर्क समय पर पूरा करना हो या कमरे को व्यवस्थित रखना. आपकी प्रशंसा उसे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।

वीकेंड पर भूख लगे तो बनाएं बाजार जैसा पनीर रैप, हर बाइट में मिलेगा चटपटा स्वाद

वीकेंड ब्रंच के लिए पनीर रैप एक स्वादिष्ट और आसान विकल्प है. दही और मसालों में मैरीनेट किया पनीर, पसंदीदा सब्जियां, चटनी और सांस मिलाकर इसे घर पर तैयार किया जा सकता है. रोटी या परांठे में फिलिंग भरें और तवे पर सेंककर गार्मार्म परोसें.

वीकेंड पर देर से उठने के बाद नाश्ता बनाने का मन नहीं करता, लेकिन भूख लगने पर कुछ चटपटा और टेस्टी खाने का मन जरूर होता है. ऐसे में रोज की रोटी-सब्जी की जगह पनीर रैप एक अच्छा ऑप्शन है. इसे बनाने के लिए घर में मौजूद आटा, पनीर और कुछ सब्जियों का इस्तेमाल कर सकते हैं. दही और मसालों में मैरीनेट किया हुआ पनीर, कुरकुरी सब्जियां और चटपटी चटनी इसके स्वाद को और बढ़ा देती हैं.

खास बात यह है कि इसे बनाना मुश्किल नहीं है और आप अपनी पसंद के हिसाब से इसकी फिलिंग



तैयार कर सकते हैं. बच्चों के टिफिन से लेकर वीकेंड ब्रंच तक, पनीर रैप कई मौकों पर काम आ सकता है. आइए जानते हैं इसे घर पर बनाने का आसान तरीका.

पनीर रैप बनाने के लिए सामग्री

1. पनीर - जरूरत के अनुसार
2. गेहूं का आटा - रोटी या परांठे बनाने के लिए
3. गाढ़ा दही - 2-3 चम्मच

4. प्याज - 1
5. शिमला मिर्च - 1
6. टमाटर - 1
7. हल्दी - थोड़ी सी
8. कश्मीरी लाल मिर्च - स्वाद के अनुसार

के अनुसार

9. काली मिर्च और नमक - स्वाद के अनुसार
10. हरा धनिया - थोड़ा सा
11. हरी चटनी - जरूरत के अनुसार
12. टोमेटो सॉस और मेयोनीज - जरूरत के अनुसार
13. तेल या बटर - सेंकने के लिए
14. चीज - चाहे तो इस्तेमाल करें

पनीर रैप बनाने का आसान तरीका

1. सबसे पहले पनीर को मैरीनेट करें

पनीर को छोटे-छोटे क्यूब्स में काट लें. अब इसमें 2-3 चम्मच गाढ़ा दही, थोड़ी हल्दी, कश्मीरी लाल मिर्च और नमक डालें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें, ताकि पनीर पर मसालों और दही की अच्छी परत चढ़ जाए. इसे करीब 15-20 मिनट के लिए ढक्कर रख दें.

2. पनीर और सब्जियों को पकाएं

एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें और मैरीनेट किए हुए पनीर को हल्का सुनहरा होने तक पकाएं. अब इसमें लंबाई में कटा प्याज और शिमला मिर्च डालें. चाहे तो टमाटर भी मिला सकते हैं. सब्जियों को हल्का नरम होने तक पकाएं, लेकिन उन्हें बहुत ज्यादा गलने न दें. ऊपर से

काली मिर्च और कटा हुआ हरा धनिया डालें. ध्यान रखें कि फिलिंग में ज्यादा पानी न रहे, वरना रैप गीला हो सकता है.

3. रोटी या परांठे तैयार करें

अब गेहूं के आटे से पतली और मुलायम रोटियां बना लें, अगर आपको थोड़ा कुरकुरा और स्वादिष्ट रैप पसंद है, तो हल्का घी लगाकर परांठे भी बना सकते हैं. रोटी या परांठे

को इतना नरम रखें कि उसमें फिलिंग भरकर आसानी से फोल्ड किया जा सके.

4. चटनी और सॉस का मिक्स तैयार करें

एक कटोरी में टोमेटो सॉस और मेयोनीज मिलाकर रख लें. हरी धनिया चटनी में एक चम्मच दही मिलाते से उसका स्वाद हल्का क्रीमी हो सकता है।



‘क्या हर जमीन पर व्यावसायिक निर्माण जरूरी है’

काजीरंगा में रिजॉर्ट बनाने की योजना पर अदिवि शेष ने उठाए सवाल

मुंबई। साउथ एक्टर अदिवि शेष ने असम सरकार से काजीरंगा के पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाके में प्रस्तावित रिजॉर्ट निर्माण की योजना पर सावधानी से विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे इलाकों में विकास की योजना बनाते समय वन्यजीवों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों की चिंताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रकृति किसी की निजी संपत्ति नहीं

एक्टर ने इस संबंध में पत्र लिखकर राज्य सरकार से प्रस्तावित निर्माण के असर की समीक्षा करने और जमीन से जुड़ी जानकारी में पारदर्शिता बरतने की मांग की है।

अदिवि शेष ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रकृति किसी की निजी संपत्ति नहीं है बल्कि इंसान कुछ समय के लिए उसका संरक्षक है।



प्रकृति हमारी नहीं है। हम सिर्फ कुछ समय के लिए इसके संरक्षक हैं।

— अदिवि शेष

काजीरंगा का इकोसिस्टम है अनमोल

उन्होंने कहा, “जब हम काजीरंगा जैसी जगह की बात करते हैं, तो हम सिर्फ किसी नेथनल पार्क या टूरिस्ट डेस्टिनेशन की बात नहीं कर रहे होते। हम एक ऐसे जीवंत इकोसिस्टम की बात कर रहे हैं, जो पीढ़ियों से मौजूद है। यह अनोखे वन्यजीवों का घर है और हमारी ऐसी प्राकृतिक धरोहर है, जो हर भारतीय और कई मायनों में पूरी दुनिया की है।”

एक सींग वाला गैंडा हमारी पहचान

अदिवि ने काजीरंगा के इकोसिस्टम को बचाने की जरूरत पर जोर दिया। यह इलाका एक सींग वाला गैंडा के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, “एक सींग वाला गैंडा सिर्फ असम की पहचान नहीं है बल्कि यह हमारी शानदार जैव विविधता का प्रतीक है, जिसे बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।”

हर जमीन पर निर्माण जरूरी नहीं

अदिवि शेष ने कहा, “हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या जमीन के हर हिस्से को व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए विकसित करना जरूरी है? क्या निर्माण से मिलने वाला दूरत फायदा वन्यजीवों और पर्यावरण पर पड़ने वाले धंभे समय के नुकसान के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण है? सरटेनेबल टूरिजम का मतलब प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना उसका अनुभव लेना होना चाहिए।”

अर्जुन बिजलानी ने ऐसे किया था पत्नी नेहा को प्रपोज, बोले-अगर हां कहोगी तो तुम्हारे लिए सब करूंगा

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपनी पत्नी नेहा स्वामी के साथ ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीजन 2’ में नजर आ रहे हैं। अभिनेता की पत्नी हाल ही में पूजा बनर्जी के पॉडकास्ट में गई थीं, जहां उन्होंने अपनी लव स्टोरी के बारे में बताया।

नेहा स्वामी ने बताया कि उनकी अर्जुन से पहली मुलाकात तब हुई थी, जब वह छुट्टियां मनाने अपनी मौसी के घर मुंबई में गई थीं। वीजा के लिए जाने से एक-दो घंटे पहले वह अर्जुन से मिली थीं। उस वक्त अर्जुन ने एक्टिंग करियर शुरू भी नहीं किया था। दूसरी बार मिलने पर अर्जुन ने उनसे पूछा कि वह कहां से हैं और क्या करती हैं। नेहा ने बताया कि वह अपनी मौसी से मिलने आई हैं और फिलहाल कुछ नहीं कर रही हैं।

नेहा ने बताया, ‘अर्जुन को मेरा नंबर एक दोस्त के जरिए मिला था। उसने मुझे कॉल किया और सोधे कह दिया कि मैं तुम्हें पसंद करता हूं, तुम्हारा बॉयफ्रेंड बनना चाहता हूं और तुम्हें अभी हां कहना होगा।’

नेहा अर्जुन की इस ज़िद को देखकर हैरान रह गईं। उन्होंने अर्जुन से पूछा कि वह क्या करते हैं। इस पर अर्जुन ने कहा, ‘अभी तो कुछ नहीं करता लेकिन अगर तुम हां गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं और कहा, ‘अब से तुम मुझे बेबी कहकर



करूंगा।’

नेहा ने बताया कि अर्जुन की यही बात उनके दिल को छू गई और उन्होंने हां कह दिया। लेकिन अर्जुन तुरंत रिश्ते को ऑफिशियल करने पर अड़ गए। जब नेहा ने सोचने के लिए वक्त मांगा तो अर्जुन बोले कि जवाब अभी देना होगा। जैसे ही नेहा मानीं, अर्जुन ने ऐलान कर दिया कि अब वे गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हैं और कहा, ‘अब से तुम मुझे बेबी कहकर

बुलाओगी।’

अभिनेता अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी ने काफी समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी का फैसला किया और 20 मई 2013 में शादी की थी। कपल का एक बेटा है, जिसका नाम अयान बिजलानी है। हालांकि, बीच में दोनों के तलाक की खबरें उड़ी थीं लेकिन अभिनेता अर्जुन ने स्पष्ट कर सभी बताया कि उनकी शादी बहुत अच्छी चल रही है।

नकुल धुल के एक्विशन पर एल्विश यादव ने दी प्रतिक्रिया, बोले- देखकर दुख हुआ



बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर।’

एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैंस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल धुल के गेमप्ले और उनके इम्पैक्ट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कौन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेचर) कर दिया।

विश्व केसरी■

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिद्धू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि

मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायरेक्टली तंज कसा। एल्विश यादव ने लिखा, ‘बहुत दिनों बाद आज

लॉ की पढ़ाई और थिएटर का एक कोर्स... सारा अली खान ने शो में सुनाया एक्ट्रेस बनने का सफर



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस सारा अली खान ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। एक समय ऐसा था, जब उनका वजन करीब 100 किलो हुआ करता था। उस वक्त सारा कोलंबिया यूनिवर्सिटी में हिस्ट्री की पढ़ाई कर रही थीं और आगे लॉ की डिग्री लेने का प्लान बना

रही थीं। यूनिवर्सिटी में थिएटर कोर्स के दौरान उनके अंदर एक्टिंग को लेकर पुराना जुनून फिर जाग उठा। इसके बाद उन्होंने एक्ट्रेस बनने के लिए मेहनत करने का फैसला किया। सारा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने इस सफर के बारे में बताया।

सारा अली खान ने यह बात

अनिल कपूर के शो ‘इंडिया के टॉप 1 पर्संट’ में बातचीत के दौरान बताई। शो में अनिल ने उनसे पूछा कि उन्होंने एक्ट्रेस बनने का फैसला कब किया था। इस सवाल के जवाब में सारा ने कहा, ‘मैं बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थी। लेकिन मुझे पढ़ाई करना भी बहुत पसंद था। मैं कोलंबिया यूनिवर्सिटी गई थी, जहां हिस्ट्री की

पढ़ाई की। मैंने सोचा था कि वहाँ से लॉ की डिग्री भी ले लूँगी।’

सारा ने कहा, ‘यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान मैंने थिएटर का कोर्स किया था। इस कोर्स ने मुझे एक्टिंग के करीब आने का मौका दिया। जब मैं स्टेज पर पहुंचीं और परफॉर्म किया, तो मुझे महसूस हुआ कि एक्ट्रेस बनने का मेरा बचपन का सपना अब भी मेरे अंदर मौजूद है। यही वह समय था, जब मैंने इस दिशा में आगे बढ़ने के बारे में सोचा और खुद से कहा कि कम से कम एक कोशिश तो करनी ही चाहिए। इस तरह यह सब शुरू हुआ। उस समय मेरा वजन करीब 100 किलो था।’

शो में एक्टर आयुष्मान खुराना भी शामिल हुए। वह अपनी आने

वाली फिल्म ‘उड़ता तीर’ के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। बातचीत के दौरान अनिल कपूर ने उनसे भी पूछा कि उन्होंने एक्टर बनने का फैसला कब किया था। इस पर आयुष्मान ने मजाकिया अंदाज में कहा, ‘जब मैंने आपको देखा, तभी मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया।’

इसके बाद अनिल कपूर ने आयुष्मान से पूछा कि उन्हें सबसे ज्यादा प्रोत्साहन किससे मिला। अभिनेता ने इसका श्रेय अपने पिता को दिया। उन्होंने कहा, ‘मेरे पिता मुझे बहुत प्रोत्साहित करते थे। बचपन से ही उन्होंने मेरा हौसला बढ़ाया। मैं मिलेनियल हूँ और हमारे समय में लोग फिल्म इंडस्ट्री में आने की कोशिश भी नहीं करते थे।

वियतनाम में बाइक ट्रिप करती नजर आई एक्ट्रेस मीनाक्षी चौधरी, बोलीं- खुद को दोबारा पा लिया

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी हाल ही में अपनी वियतनाम ट्रिप करके वापस लौटी हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस ट्रिप का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने वियतनाम की अपनी छुट्टियों के दौरान बाइक ट्रिप की थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने लिखा, ‘यह ट्रिप मैंने ऐसे समय पर की, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। बाइक पर सवार होकर प्रकृति की गोद में जाना मेरे सबसे रोमांचक अनुभवों में से एक था। रास्ते में कुछ शानदार लोगों से मिली और मुझे लगता है कि इस दौरान मैंने खुद को दोबारा पा लिया। मैंने हा गियांग लूप किया, जो तीन दिन की बाइक ट्रिप थी। यहां सबसे खूबसूरत नजारे देखने को मिले।

अभिनेत्री की बात करें, तो वह जल्द ही अभिनेता नागा चैतन्य के साथ फिल्म ‘वृषकर्म’ में नजर आएंगी। हालांकि, पहले फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया गया



था। इसे अस्थायी तौर पर ‘एनसी24’ कहा जा रहा था, बाद में इसका नाम ‘वृषकर्म’ रखा गया।

मीनाक्षी चौधरी इस फिल्म में ‘दक्ष’ नाम की एक पुरातत्वविद की भूमिका निभा रही हैं, जो पीएचडी कर रही हैं और अपने

प्रोफेसर की किसी बड़ी खोज में मदद करती हैं। फिल्म में नागा चैतन्य और मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि ‘लापता लेडीज’ फेम स्पेश श्रीवास्तव इसमें खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इनके अलावा जयराम और सत्या भी अहम किरदारों में हैं।

निर्माण बीबीएसएन प्रसाद के श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा बैनर तथा सुकुमार राइटिंग्स द्वारा किया गया है। कार्तिक दंडु द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण बीबीएसएन प्रसाद कर रहे हैं। फिल्म की कहानी निर्देशक सुकुमार ने लिखी, सिनेमैटोग्राफी नील डी कुन्हा ने की है और संगीत अजनीश लोकनाथ ने दिया है।

फिल्म का संपादन नेशनल अवॉर्ड विजेता एडिटर नवीन नूली कर रहे हैं, जबकि आर्ट डायरेक्शन श्री नागेन्द्र तंगाला का है, जिन्होंने ‘थंडेल’ का भी आर्ट डायरेक्शन संभाला था। यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

काजी तौकीर के सपोर्टर से बनीं आलोचक, गौहर खान ने थूकने वाली हरकत पर जताई नाराजगी

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री गौहर पिछले काफी समय से ‘बिग बॉस-20’ कंटेस्टेंट काजी तौकीर का समर्थन करती नजर आ रही थीं लेकिन बुधवार को कुछ अलग ही देखने को मिला। दरअसल, शो में काजी तौकीर ने कंटेस्टेंट स्काउट के कान पर थूक दिया था, जिस पर गौहर खान ने अपनी नाराजगी जताई है। गौहर खान ने कहा कि काजी तौकीर पर तंज कसते हुए कहा कि जब किसी की बहुत ज्यादा तारीफ होती है तो डर रहता है कि कहीं वो घर्मंड में न आ जाए। अभिनेत्री ने

इस बात पर भी जोर दिया कि शो की उन्होंने कहा था कि काजी कभी गलत नहीं करेंगे लेकिन अब उनका मजाक हद से ज्यादा बढ़ रहा है। अभिनेत्री ने कहा, ‘जब आपकी बहुत ज्यादा तारीफ होने लगती है, तो कई बार डर लगता है कि कहीं यह तारीफ सर पर न चढ़ जाए। मैंने बिग बॉस के पहले हफ्ते में ही कहा था कि काजी कभी कुछ गलत नहीं करेगा और न ही गलत रास्ते पर जाएगा।

अभिनेत्री ने काजी द्वारा स्काउट के कान पर थूकने पर उन्हें संभल कर चलने की चेतावनी दी और कहा कि उनका ये बर्ताव

बिल्कुल सही नहीं है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि काजी का मजाक हद से ज्यादा बढ़ रहा है। गौहर खान ने कहा, ‘उसके कान में थूकना या उसके बारे में ऐसी बातें करना बहुत गलत है। मैं सच में उम्मीद करती हूँ कि ‘वोकेंड का वार’ में सलमान सर काजी को यह बात जरूर समझाएं कि जो मजाक चल रहा है, वह थोड़ा ज्यादा हो रहा है। यह अब एक जैसा और थोड़ा चिढ़ाने वाला लग रहा है। दरअसल, बिग बॉस 20 में काजी तौकीर और कंटेस्टेंट स्काउट के बीच टास्क के दौरान बहस और हाथापाई हुई थी।

भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे: विदेश मंत्री जयशंकर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ बैठक की। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों देशों का नेतृत्व और पारस्परिक संवाद रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज नई दिल्ली में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने व्यापार और निवेश, शिक्षा, ऊर्जा, रक्षा और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में अपने संबंधों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही, प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने आगे कहा, 'अपने नेतृत्व और



सरकार तथा उद्योग जगत के साथ लगातार बातचीत के जरिए हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।'

इससे पहले अनीता आनंद ने 2025 में अपनी भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर के साथ हुई उस बैठक को याद किया, जिसमें वे कनाडा-भारत संबंधों के

लिए एक संयुक्त रोडमैप बनाने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति को देखकर वो बेहद उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत के बीच जुड़ाव भविष्य की समृद्धि को आकार देने और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में योगदान करने का अवसर

प्रदान करता है, खासकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं। आनंद ने एक्स पोस्ट में कहा, 'ठीक एक साल पहले नई दिल्ली में, मैंने कनाडा-भारत संबंधों के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, 'आज लौटकर यह देखकर उत्साहित हूँ कि हमने कितनी प्रगति की है। व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने से लेकर ऊर्जा, नवाचार और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तक, दोनों देश कई मोर्चों पर आगे बढ़े हैं।'

कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों का वास्तविक महत्व इस बात में है कि दोनों देश मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। ऐसे समय में, जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, भारत और कनाडा के बीच मजबूत होते संपर्क भविष्य की समृद्धि को आकार देने और स्वतंत्र, खुले तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो आएंगे भारत, ऊर्जा सहयोग पर होगी चर्चा

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले हफ्ते मुंबई और जामनगर की यात्रा पर आएंगे। इस दौरान 'बेहतर ऊर्जा सहयोग' पर चर्चा होगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब रूस से ऊर्जा खरीदने वालों पर जुर्माना लगाने की वाशिंगटन की समय सीमा नजदीक आ रही है।

विदेश विभाग ने एक मीडिया नोट में कहा कि मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद और भारत के मुंबई और जामनगर की यात्रा करेंगे।

विभाग ने कहा, 'विदेश मंत्री इस साल अपनी दूसरी आधिकारिक यात्रा के लिए भारत जाएंगे। वह वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे ताकि अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया जा सके, क्षेत्रीय और वैश्विक हालात पर विचारों का आदान-प्रदान



हो सके और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जा सके।'

मीडिया नोट में आगे कहा गया, 'विदेश मंत्री मार्को रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक नेताओं से भी मिलेंगे। गुजरात का जामनगर रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिफाइनिंग हब का घर है, जो दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स में से एक है। विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इस शहर को दौरे के लिए क्यों चुना गया। भारत का यह दौरा 18 अक्टूबर

की समय सीमा के कुछ दिन बाद हो रहा है, जो ग्राहम एक्ट के तहत उन देशों पर इ्यूटी लगाने से संबंधित है जो रूसी ऊर्जा खरीदते हैं। भारत 2022 से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक रहा है और इसकी तेल खरीद वाशिंगटन के साथ लगातार तनाव का विषय रही है।

विदेश विभाग ने कहा कि वह इस राजनयिक मंच के माध्यम से रणनीतिक सहयोग संयुक्त अमेरिका और मध्य एशिया के देशों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य को बढ़ावा देता है।

संक्षिप्त खबर

12 साल की देरी के बाद खुल रहा उत्तर कोरिया-चीन का नया 'यालू रिवर ब्रिज'

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया और चीन के बीच बना नया पुल 12 साल की देरी के बाद चालू होगा। व्यापार तथा आवाजाही को



बढ़ावा देने वाला नया यालू नदी पुल गुरुवार को आधिकारिक तौर पर यातायात के लिए खोला जाएगा। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच इस पुल के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। करीब 12 साल पहले निर्माण पूरा होने के बावजूद यह पुल अब तक इस्तेमाल में नहीं आया था। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, 3,024 मीटर लंबा यह चार लेन वाला सड़क पुल चीन के पूर्वोत्तर शहर दानदोंग को उत्तर कोरिया के सिनुइजू शहर से जोड़ता है। इसका निर्माण अक्टूबर 2011 में शुरू हुआ था और अक्टूबर 2014 में पूरा हो गया था। हालांकि, उत्तर कोरिया की ओर संपर्क मार्गों, सीमा शुल्क कार्यालयों और अन्य जरूरी बुनियादी ढांचे का निर्माण पूरा नहीं होने के कारण पुल लंबे समय तक बंद रहा। हाल के दिनों में इस पुल पर वाहनों की आवाजाही देखी गई थी, जिससे इसके जल्द खुलने की अटकलें तेज हो गई थीं। अब इसके आधिकारिक उद्घाटन से दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पुणे-सोलापुर हाईवे पर सड़क हादसा, टेम्पो चालक की मौत

विश्व केसरी■

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कंटेनर और आयशर टेम्पो के बीच टक्कर में टेम्पो चालक की मौके



पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, सोलापुर की ओर जा रहा एक कंटेनर अचानक हाईवे का डिवाइडर पार कर गया और पुणे की ओर जाने वाली लेन में आ गया। इसी दौरान सामने से आ रहे आयशर टेम्पो की कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे के बाद कंटेनर को लोहे की चादरों के टुकड़े हाईवे पर दूर-दूर तक बिखर गए। इस दुर्घटना के कारण पुणे-सोलापुर हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही टोल प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करने के प्रयास शुरू किए। सड़क पर बिखरे लोहे की चादरों के टुकड़ों को हटाकर रास्ता साफ किया गया। इसके बाद हाईवे पर यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। यह हादसा दौंड जिला पुणे, महाराष्ट्र में हुआ। इससे पहले 12 अक्टूबर को बिहार के कटिहार जिले में एक पटसन लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पानी में पलट गया था। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। दुर्घटना पोठिया थाना क्षेत्र में पोठिया-डूसर सड़क मार्ग पर कुशियारी मोड़ के समीप हुई थी। पुलिस के अनुसार, ट्रैक्टर पर चालक समेत कुल पांच लोग सवार थे। सभी पोठिया से बरारी की ओर जा रहे थे।

वेतन, कार्य अवधि और सुरक्षा की मांग को लेकर महिला कामगारों ने रोड जाम किया

विश्व केसरी■

रांची। रांची के दशमफॉल थाना क्षेत्र के पांचा में ऑर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी में कार्यरत महिला कामगारों ने वाजिब वेतन, काम के समय और सुरक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर रांची-टाटा राष्ट्रीय राजमार्ग-33 को जाम कर दिया। प्रदर्शनों के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। महिलाओं ने प्रशासन से पूरे मामले में हस्तक्षेप कर तत्काल उनके मसलों का हल निकालने की मांग की है।

ऑर्बन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रेडीमेड कपड़ों का उत्पादन करती है। यहां काम करने वाली महिला कामगारों का आरोप है कि श्रम



विभाग के नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। विरोध करने पर कंपनी प्रबंधन की ओर से कार्रवाई की धमकी दी जाती है। प्रबंधन के रवैये से नाराज महिला कामगार बुधवार सुबह नौ बजे सड़क पर उतर आईं। उन्होंने पांचा के पास मुख्य मार्ग पर बैठकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के समर्थन में

नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वेतन, कार्य अवधि और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक वे रांची और जमशेदपुर के बीच इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ।

‘रूस ने उन ऊर्जा टिकानों को भी बनाया निशाना जो सीजफायर के दायरे में’- जेलेन्स्की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने दावा किया है कि रूस ने रातभर में 39 बैलिस्टिक मिसाइलों और 120 से अधिक हमलावर ड्रोन तथा लोइटिंग म्युनिशन से यूक्रेन के ऊर्जा और महत्वपूर्ण केंद्रों को निशाना बनाया। उन्होंने 'एनर्जी टूस' को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये वही ऊर्जा केंद्र थे जो ट्रंप के सीजफायर घोषणा के दायरे में थे। जेलेन्स्की के अनुसार, हमलों के कारण कम से कम छह लाख लोग बिजली से वंचित हो गए हैं।

जेलेन्स्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को अतिरिक्त पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा, 'रूसी हमलों में कीव, कीव क्षेत्र और खार्किव के ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। ऊर्जा केंद्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला जानबूझकर किया गया।



यह वही बुनियादी ढांचा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से घोषित युद्धविराम के दायरे में शामिल किया गया था।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने माना कि हमलों का पैमाना 'रूस की ओर से अमेरिका के प्रति खुले अन्याय की दशांता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिकी राष्ट्रपति पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा, 'रूसी हमलों में कीव, कीव क्षेत्र और खार्किव के ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। ऊर्जा केंद्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला जानबूझकर किया गया।

यह वही बुनियादी ढांचा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से घोषित युद्धविराम के दायरे में शामिल किया गया था।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने माना कि हमलों का पैमाना 'रूस की ओर से अमेरिका के प्रति खुले अन्याय की दशांता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिकी राष्ट्रपति पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा, 'रूसी हमलों में कीव, कीव क्षेत्र और खार्किव के ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। ऊर्जा केंद्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला जानबूझकर किया गया।

यह वही बुनियादी ढांचा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से घोषित युद्धविराम के दायरे में शामिल किया गया था।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने माना कि हमलों का पैमाना 'रूस की ओर से अमेरिका के प्रति खुले अन्याय की दशांता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिकी राष्ट्रपति पैट्रियट मिसाइल इंटरसेप्टर उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा, 'रूसी हमलों में कीव, कीव क्षेत्र और खार्किव के ऊर्जा एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। ऊर्जा केंद्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला जानबूझकर किया गया।

कोलकाता : पुलिस के सामने पेश हुए अभिषेक बनर्जी

विश्व केसरी■

कोलकाता। डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी बुधवार को अपने कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय में 27 अगस्त को हुई झड़प के मामले में पृच्छाछ के लिए मध्य कोलकाता के शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन पहुंचे।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को पहले 8 अक्टूबर को पृच्छाछ के लिए पुलिस स्टेशन में पेश होना था। हालांकि, उन्होंने उसी दिन पुलिस स्टेशन को ईमेल भेजकर अनुरोध किया था कि पृच्छाछ के समय की जानकारी उन्हें कम से कम 48 घंटे पहले दी जाए।

इसके बाद शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन ने उन्हें नया नोटिस जारी कर बुधवार सुबह 11 बजे तक उपस्थित होने को कहा। इसके अनुसार, डायमंड हार्बर के सांसद अपने वकील के साथ तय समय पर पुलिस स्टेशन पहुंचे। अभिषेक



बनर्जी से इस मामले में पहले भी एक बार पृच्छाछ हो चुकी है। उस दौरान उन्होंने पुलिस स्टेशन में छह घंटे से अधिक समय बिताया था। 27 अगस्त को उस समय तनाव पैदा हो गया था, जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के अधिकारी पुलिसकर्मियों के साथ अभिषेक बनर्जी के कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय पर एक हॉर्डिंग हटाने पहुंचे थे। आरोप है कि इन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को अभिषेक बनर्जी, अन्य तृणमूल कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वहां झड़प हुई।

शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन एफआईआर के अनुसार, पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने और एक महिला पुलिस अधिकारी की मर्यादा भंग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

इस घटना से जुड़े तीन एफआईआर में से दो में अभिषेक बनर्जी, राज्यसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ'ब्रायन, तथा अन्य नेताओं हमार्यू कबीर और वैश्वनर चटर्जी के नाम शामिल हैं। पुलिस अब तक 27 अगस्त को झड़प के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। बुधवार को अभिषेक बनर्जी की यह पेशी मामले की जारी पुलिस जांच के बीच हुई।

पुलिस एफआईआर में नामजद लोगों के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर ऐसी कौन-सी घटनाएं हुई।

केंद्र पर सत्तावाद को संस्थागत रूप देने का आरोप, शिवसेना (यूबीटी) ने 'सामना' में साधा निशाना

विश्व केसरी■

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और उस पर सत्तावाद को संस्थागत रूप देने और सार्वजनिक असहमति को व्यवस्थित तरीके से दबाने का आरोप लगाया।

ठाकरे गुट की यह आलोचना दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से दशकों पुराने प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाने के फैसले के बाद आई है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में संपादकीय में ठाकरे गुट ने कहा कि नए पुलिस आदेशों के तहत विरोध प्रदर्शनों को सत्ता के केंद्र से दूर धकेल दिया गया है। अब प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान (4 किमी दूर), शाहदरा में सीबीडी ग्राउंड (12 किमी दूर) और बुराड़ी ग्राउंड (20-21 किमी दूर) जैसी दूर की जगहें तय की गई हैं। सामना में तर्क दिया गया कि यह एक सोची-समझी रणनीति है ताकि जनता के



आंदोलन की कोई गुंज संसद या राष्ट्रीय चेतना में न पहुंचे। लोकतांत्रिक अधिकारों के व्यावसायीकरण को उजागर करते हुए संपादकीय में बताया गया कि रामलीला मैदान जैसे स्थलों की लागत प्रतिदिन 1.5 लाख रुपए से अधिक है, महानों पहले बुकिंग करनी पड़ती है और ये अक्सर धार्मिक या सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रमों के लिए बुक रहते हैं। संपादकीय में कहा गया कि शांतिपूर्ण सभा संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है। आवाजों को

शहर की सीमा से बाहर धकेलना गहरे प्रशासनिक उर का संकेत है। यह प्रशासनिक कार्रवाई चुनावी अखांडता पर जवाबदेही की मांग करने वाले समूहों के प्रदर्शनों के बाद आई, जिससे राजधानी में भारी सुरक्षा तैनाती और बड़े पैमाने पर निवाचक हिरासत हुई। ठाकरे गुट ने कहा कि राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है, जबकि जंतर-मंतर की गैर-अधिसूचना के खिलाफ कानूनी चुनौतियां तेजी से दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई हैं।

39 देशों के सैन्यकर्मियों को प्रशिक्षण के बाद भारतीय नौसेना सौंप रही है टास्क फोर्स की कमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 14 अक्टूबर को बहरीन की राजधानी मनामा में संयुक्त समुद्री बलों के 'संयुक्त टास्क फोर्स 154' की कमान सौंप रही है। इसके साथ ही इस बहुराष्ट्रीय टास्क फोर्स की कमान संभालने का भारतीय नौसेना का पहला कार्यकाल पूरा हो गया। इस दौरान 39 देशों के सैन्य कर्मियों ने विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों में हिस्सा लिया। इनके माध्यम से 7,800 घंटे से अधिक का प्रशिक्षण दिया गया।



गौरतलब है कि 'संयुक्त विभिन्न देशों के बीच समुद्री टास्क फोर्स 154' बहुराष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में तालमेल बढ़ाना, समुद्री प्रशिक्षण के लिए गति कर्मियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाना का उद्देश्य है। इसका उद्देश्य विकसित करना और संयुक्त

अभियानों के लिए तैयारी मजबूत करना है। संयुक्त समुद्री बलों की इस साझेदारी में कुल 47 देश शामिल हैं। भारत वर्ष 2022 में संयुक्त समुद्री बलों का सहयोगी भागीदार बना था। वर्ष 2023 में उसे पूर्ण सदस्यता मिली। इसके बाद भारतीय नौसेना ने 11 फोर्स 154' की कमान संभाली। नौसेना के मुताबिक इस कार्यकाल की एक प्रमुख उपलब्धि समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट पर विशेषज्ञों के आदान-प्रदान का पहला कार्यक्रम भी रहा।

समुद्री सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित कीं। इस दौरान सैन्य कर्मियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने के लिए 20 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। इसके अलावा ऑपरेशन कम्पास रोज 26-1 और ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 आयोजित किए गए। नौसेना के मुताबिक इस कार्यकाल की एक प्रमुख उपलब्धि समुद्री डकैती और सशस्त्र लूटपाट पर विशेषज्ञों के आदान-प्रदान का पहला कार्यक्रम भी रहा।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग: टीमों की अगुवाई करेंगे हॉकी ओलंपियन्स



विश्व केसरी ■ रायपुर। रायपुर में होने वाले छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लिए सभी छह फ्रेंचाइजी टीमों के मुख्य प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया है। ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से खेल चुके प्रतिष्ठित और अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों को प्रत्येक टीम में मार्की खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

लीग में खेलने वाले वरिष्ठ खिलाड़ियों के सानिध्य में राज्य के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में टीमों के खिलाड़ियों को हॉकी के गुर सीखने के साथ ही बड़े मुकाबलों के दबाव से निपटने की कला भी सीखने मिलेंगी।

मिलने के साथ ही घरेलू हॉकी के ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। लीग के सभी मैच 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर के बीच रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम साढ़े पांच बजे और दूसरा मुकाबला शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। दोनों मैचों के बीच प्रतिदिन मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जो दर्शक स्टेडियम नहीं पहुंच पाएंगे, वे भी मुकाबलों का आनंद ले सकेंगे। लीग का लाइव प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा। स्टेडियम में दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित की जा रही छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमों के साथ प्रतिष्ठित संस्थान जुड़े हैं। चक्रधर चैंपियंस की फ्रेंचाइजी जिनंदल स्टील लिमिटेड, न्यायधानी नाइट्स की साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजधानी रॉयल्स की श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड, मेनपाट टाइगर्स की छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, संस्कारधानी स्टाइकर्स की साराडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड और

बैलाडीला बुल्स की फ्रेंचाइजी एनएमडीसी लिमिटेड के पास है। इन टीमों के मुख्य प्रशिक्षक और खिलाड़ी इस प्रकार हैं – न्यायधानी नाइट्स मुख्य प्रशिक्षक – मोहम्मद रियाज खिलाड़ी – सुरेंद्र कुमार, राहुल ठाकुर, मोहम्मद अनीश रजा, लबी मानिकपुरी, अमित टोप्पो, अश्विन कुजूर, रोहित रजक, सागर सूर्यवंशी, सैय्यद समीर अली, कश्मीर मिंज, अभिजीत श्रीवास, सोनू निषाद, सुखवेद निर्मलकर, शादाब अहमद खान, अरबाज अली, ओम रुद्र नामदेव, अमन वर्मा, आदर्श राज सिंह, प्रिंस महतो, केतन कुशवाहा, रोहित कुल्लू, चिराग मुख् प्रशिक्षक – अजय कुमार खिलाड़ी – प्रदीप मोर, अल्फाज खान, सौर्य वर्मा, अजय तांडी, रेहान खान, प्रवीण यादव, साहिल जाक्स, मोहित नायक, अर्पण टोप्पो, आदित्य मेश्राम, अकविनाश तिग्गा, नरेंद्र निषाद, संदीप ठाकुर, प्रिंस भगत, राहुल पन्नु, प्रांजल यादव, नेहाल बरेट, मनीष वट्टी, दक्ष चौबे, प्रह्लाद, आनंद लकड़ा, अवि मानिकपुरी।

आईसीसी रैंकिंग : श्रेयस अय्यर चौथे स्थान पर पहुंचे, ईशान किशन की टी20 में बादशाहत कायम



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर को आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में मिला है। अय्यर तीन स्थान ऊपर चढ़कर बल्लेबाजों की रैंकिंग में चौथे नंबर पर आ गए हैं, जो उनके करियर की बेस्ट रैंकिंग है। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। अय्यर ने लखनऊ में सीरीज के पहले मैच में ही बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी।

वुहान ओपन: स्वितातेक के नाम सीजन की 40वीं जीत, स्वितोलिना ने सैमसनोवा को हराया

विश्व केसरी ■ वुहान। वुहान ओपन में पोलैंड की इगा स्वितातेक ने बुधवार को हमवतन मैग्दलेना फ्रेंच को मात देकर इस सीजन की अपनी 40वीं जीत दर्ज की, जबकि एलिना स्वितोलिना ने ल्यूडमिला सैमसनोवा के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में जगह बनाई। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ी सीजन के आखिर में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बनी हुई हैं।

सातवीं वरीयता प्राप्त स्वितातेक ने मैग्दलेना फ्रेंच को 1 घंटे 43 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-1 से मात देकर डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में अपने करियर की 149वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ स्वितातेक ने सेरेना विलियम्स की 148 जीत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। वह इस लिस्ट में सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं। 'एटीपी' के अनुसार जीत के बाद स्वितातेक ने कहा, 'मैं सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलकर खुश हूँ, क्योंकि मुझे पहले वहां खेलने



का मौका नहीं मिला था। मैच की शुरुआत में मुकाबला एक-एक प्वाइंट का था, लेकिन बाद में मुझे खुशी हुई कि मैंने कम गलतियां कीं और मैच के आखिर तक अपने मौकों का सही इस्तेमाल किया। निश्चित रूप से यह स्कोर से कहीं ज्यादा मुश्किल मैच था। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने अब लगातार पांच सीजन में कम से कम

40 जीत दर्ज की हैं, हालांकि उन्होंने माना कि 2026 में लगातार अच्छा प्रदर्शन बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। स्वितातेक ने कहा, 'हर साल इतना अलग रहा है कि इसके लिए कोई खास तरीका या समाधान नहीं है। मुझे खुशी है कि हर साल अलग-अलग चुनौतियां होने के बावजूद मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन

चैंपियंस लीग: आर्सेनल ने लिली को 3-0 से हराया



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आर्सेनल ने चैंपियंस लीग में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए लिली पर 3-0 से जीत हासिल की। आर्सेनल ने दूसरे हाफ के सिर्फ सात मिनट में तीन गोल करते हुए करिश्माई अंदाज में मैच अपने नाम किया। टीम की इस सीजन के लीग फेज में यह दूसरी जीत थी। फ्रेंच टीम लिली ने पहले 45 मिनट में आर्सेनल को बांधे रखा और डिफेंस में कोई बड़ी चूक नहीं की। लेकिन हाफ टाइम के बाद आर्सेनल ने अपना दबाव कई मैच पूरी तरह अपने पक्ष में गुना बढ़ा दिया। दूसरे हाफ के शुरुआती 15 मिनट में लिली को अपने हाफ से निकलने का मौका

तक नहीं मिला। आखिरकार 64वें मिनट में गतिरोध टूटा। जुरियन टिम्बर ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया। इस गोल के तीन मिनट बाद ही आर्सेनल ने बढ़त दोगुनी कर दी। एक बार फिर टिम्बर ने हाई प्रेस करके गेंद जीती। मार्टिन ओडेगार्ड ने गेंद को आगे बढ़ाया और फिर बुकायो साका के जरिए गेंद एबेरे एजे के पास पहुंची, जिन्होंने बॉक्स के अंदर से सटीक फिनिश किया। 71वें मिनट में आर्सेनल ने तीसरा गोल करते हुए गेंद पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। यह गोल तीनों सब्स्टीट्यूट का कमाल था। काई हैवर्टज, ओडेगार्ड और साका के बीच

शंघाई मास्टर्स: राफेल जोडर सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट बने



विश्व केसरी ■ शंघाई। राफेल जोडर ने लगातार तीसरे मैच में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 20 साल के जोडर ने बोटिक वैन डे जैंडशुल्ट को दो घंटे 30 मिनट में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया और शंघाई के दूसरे सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट बने। जैकब मेनसिक शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे कम उम्र के क्वार्टर फाइनलिस्ट हैं। वह 19 साल की उम्र में 2024 शंघाई मास्टर्स में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डे जैंडशुल्ट ने अच्छी शुरुआत की, शुरुआती सेट में दो ब्रेक पॉइंट बचाए और फिर टाई-ब्रेक में

जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए बढ़त बना ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के मुताबिक, जोडर ने वापसी की, धीरे-धीरे मोमेंटम हासिल किया और शंघाई में अपने डेब्यू पर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत ने एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की जोडर की कोशिश को मजबूत किया। एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे 20 साल के जोडर का इस साल का रिकॉर्ड एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक 41-16 हो गया है। अती वे एटीपी लाइव रस टू टूरिन में 11वें नंबर पर हैं और 10वें नंबर पर मौजूद नोवाक जोकोविच से सिर्फ 131 पॉइंट पीछे हैं।

यूईएफए चैंपियंस लीग: बैरियोस और लुकमैन की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया



विश्व केसरी ■ मैड्रिड। यूईएफए चैंपियंस लीग में खेले गए मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-0 से हरा दिया। एटलेटिको की

तरफ से पाब्लो बैरियोस और एडेमोला लुकमैन ने गोल किए। एटलेटिको को पहला गोल करने में एक मिनट से भी कम समय लगा, जब गिडलिआनो

शिमोन ने एक लंबी बॉल ली और बैरियोस को साइड-फुट से गोल करने का मौका दिया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के ब्रायन म्यूयो का शॉट वाइड चला गया, इससे पहले कि मार्कस रैशफोर्ड लिसेंझे मार्टिनेज की बॉल को पीछे से पकड़ने से कुछ इंच दूर रह गए। एटलेटिको के जॉनी कार्डोसो का एरिया के किनारे से किया गया शॉट खारिज कर दिया गया, जब वीएआर ने मार्कोस लोरेटे के पहले के हैंडबॉल का पता लगाया, जबकि जुलियन अल्बारेज ने दूसरे हाफ की शुरुआत में पोस्ट पर हिट किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड की उम्मीदों को 74वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब लेनी योरो को रेड कार्ड दिखाया गया। लुकमैन ने पांच मिनट बाद बढ़त दोगुनी कर दी और एटलेटिको की जीत पर मुहर लगा दी। दूसरी तरफ, विलारियल ने नेपोली को 3-1 से हराया। नेपोली ने आठवें मिनट में बढ़त बना ली, जब आमिर रहमानी ने अपने पेनल्टी एरिया में एक लज बॉल से गोल किया। विलारियल की तरफ से जॉर्जेस मिर्कीतादुजे ने 23वें मिनट में गोल करके जवाब

कबड्डी में भारत का मुकाबला नहीं, एशियन गेम्स में भारतीय टीम का रहा है दबदबा

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला और पुरुष कबड्डी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते। दोनों ही टीमों ने ईरान को हराकर गोल्ड मेडल जीते। एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी भारत की ही महिला और पुरुष कबड्डी टीमों ने गोल्ड मेडल जीते थे। कबड्डी में यह प्रदर्शन भारत की निरंतरता के साथ-साथ दबदबे को प्रदर्शित करता है।



कबड्डी मूलतः भारत का खेल है। भारत में यह खेल करीब 4,000 साल से खेला जाता है। 1918 में इस खेल को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिला। 1923 में इस खेल के पहली बार लिखित नियम तैयार किए गए और मुंबई में अखिल भारतीय टूर्नामेंट हुआ। 1936 में बर्लिन में हुए ओलंपिक में इस खेल को दुनिया ने देखा। हालांकि, इसके बाद से कबड्डी कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा। कबड्डी कॉमनवेल्थ गेम्स का भी हिस्सा नहीं है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर (निश्चित देशों और महाद्वीपों में)

इसकी आवश्यक लोकप्रियता और मानकों का पूरा न होना है। हालांकि, भारत इस खेल को कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल किए जाने का पैरोकार रहा है। एशियन गेम्स में कबड्डी निरंतर तौर पर खेली जाती है। एशियन गेम्स के इतिहास में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने 9 और महिला कबड्डी टीम ने 4 स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत में कबड्डी बेहद लोकप्रिय है। पुरुष और महिलाएं दोनों ही कबड्डी में रुचि लेते हैं और दोनों वर्गों में राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर की टीमों हैं। भारत में इस खेल की लोकप्रियता

और सफलता की वजह संरचनात्मक रूप से इसका सफल संचालन है। भारत में कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) है। इसकी स्थापना 1972-73 में हुई थी। संस्था भारत में कबड्डी खेल को नियंत्रित करती है तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन व संचालन करती है। एकेएफआई, भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई कबड्डी महासंघ और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ से संबद्ध है।

इंडिगो फ्लाइट में आग की घटना के बाद डीजीसीए का बड़ा फैसला, पावरबैंक के एक विशिष्ट मॉडल पर लगाया प्रतिबंध



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो विमान में आग लगने की एक घटना के बाद मोबिकिन्स एमके-पीबी-04 पावरबैंक को भारत आने-जाने वाली और देश के भीतर संचालित होने वाली सभी उड़ानों में ले जाने या परिवहन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। विमानन नियामक ने यह निर्देश उस घटना के बाद जारी किया, जिसमें रविवार को दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक उड़ान में इस पावरबैंक से जुड़ी आग लगने के कारण विमान को हैदराबाद की ओर मोड़ना पड़ा था। इसके बाद डीजीसीए प्रमुख वीर विक्रम यादव ने एयरलाइंस को निर्देश दिया कि इस विशेष पावरबैंक मॉडल को न तो यात्रियों द्वारा विमान में लाया जाए और न ही कार्गो के रूप में इसका परिवहन किया जाए। आदेश के तहत एयरलाइंस को

केवल हैंड बैगज में ही ले जाई जा सकती हैं और इन्हें ओवरहेड कंपार्टमेंट में रखने की अनुमति नहीं है। नियामक ने यात्रियों को उड़ान के दौरान पावरबैंक की मदद से मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करने से भी रोक दिया है। विमान की सीटों पर उपलब्ध पावर आउटलेट के माध्यम से भी ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। एयरलाइंस को यात्रियों को इन नियमों के बारे में जागरूक करने, केबिन क्रू को बैटरी से जुड़ी घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने और लिथियम बैटरी में आग लगने या खराबी की किसी भी घटना की जानकारी नियामक को देने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रियों को यह भी कहा गया है कि यदि उड़ान के दौरान कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अत्यधिक गर्म हो जाए, धुआं छोड़ने लगे या उसमें से असामान्य गंध आने लगे तो इसकी जानकारी तुरंत केबिन क्रू को दें। लिथियम-आयन बैटरियों का व्यापक उपयोग पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में किया जाता है, लेकिन बैटरी के क्षतिग्रस्त, दोषपूर्ण, अधिक चार्ज होने या गलत तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर आग लगने का खतरा पैदा हो सकता है।

मन को शांत और शरीर को मजबूत बनाता है शीर्षासन, जानें इसके फायदे



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में तनाव, थकान और मानसिक अस्थिरता ने व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। ऐसे में शीर्षासन एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है। सही तकनीक और सावधानी के साथ किया गया शीर्षासन शरीर को अंदर से मजबूत और मन को शांत करने में सक्षम है। संस्कृत में 'शीर्ष' का अर्थ सिर होता है, इसलिए इसे सिर के बल किया जाने वाला आसन कहा जाता है। इसे 'योगासनों का राजा' भी कहा जाता है। सिर के बल खड़े होकर किए जाने वाले इस आसन से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है, पाचन तंत्र बेहतर होता है और मानसिक स्वास्थ्य को नई ऊर्जा मिलती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को उन्नत योग मुद्रा बताया है, जिसके अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर का पूरा भार सिर पर होता है, जिससे मस्तिष्क में रक्त संचार बढ़ता है और व्यक्ति को मानसिक शांति, एकाग्रता और नई ऊर्जा की अनुभूति होती है। यह आसन मस्तिष्क तक रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह तीव्र करता है, जिससे स्मृति शक्ति, ध्यान और मानसिक स्पष्टता में अभूतपूर्व सुधार होता है। शीर्षासन का अभ्यास करने से शरीर के संतुलन, एकाग्रता और मांसपेशियों पर नियंत्रण बेहतर करने में मदद मिल सकती है। साथ ही यह गर्दन, सिर और पीठ की मांसपेशियों को भी ताकत देता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि, यह एक कठिन आसन है, इसलिए इसे करने से पहले अभ्यासकर्ताओं को सावधानी बरतनी चाहिए और विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्हें यह आसन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। माइग्रेन या लगातार सिरदर्द से परेशान लोग इस आसन से दूर रहें, क्योंकि इससे परेशानी बढ़ सकती है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह आसन सुरक्षित नहीं है, इसलिए उन्हें इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

बालों को सफेद होने से रोकने के लिए अपनाएं ये घरेलू उपाय, इन चीजों को डाइट में करें शामिल

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आजकल कम उम्र में ही बालों का सफेद होना आम समस्या बनती जा रही है। कई लोगों के बाल 20 से 30 साल की उम्र में ही सफेद होने लगते हैं। सफेद बालों को देखकर लोग अक्सर परेशान हो जाते हैं और उन्हें छिपाने के लिए बार-बार हेयर कलर या डाई का इस्तेमाल करने लगते हैं। हालांकि, बालों का सफेद होना हमला किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

उम्र बढ़ने के साथ बालों में मेलानिन का बनना कम होता है, जिससे बालों का रंग धीरे-धीरे सफेद होने लगता है। लेकिन अगर कम उम्र में बाल तेजी से सफेद हो रहे हैं, तो खान-पान, तनाव, नींद और शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी जैसी चीजों पर ध्यान देना जरूरी है। बालों को स्वस्थ रखने के लिए सबसे पहले खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। डाइट में प्रोटीन, आयरन, विटामिन बी12, फोलेट, जिंक और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों

किया जाता रहा है। इसमें विटामिन सी और कई एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड्स पाए जाते हैं, जो बालों को हल्दी बनाने में मदद करते हैं। नारियल तेल से सिर की हल्की मालिश करना भी बालों की देखभाल का आसान तरीका है। इससे बालों और स्कैल्प में नमी बनाए रखने में मदद मिलती है और रूखे बालों की समस्या कम होती है। तनाव को कम करना भी जरूरी है। लगातार तनाव शरीर पर कई तरह का असर डाल सकता है और कुछ मामलों में बालों की समस्याओं से भी जुड़ा हो सकता है। इसलिए रोजाना थोड़ा समय टलहना, एक्सरसाइज, योगा या मेडिटेशन के लिए निकालना मददगार हो सकता है। इसके साथ पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है।

आयुष मंत्रालय ने त्वचा रोगों के लिए जारी किए नए मानक दिशानिर्देश, चार पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को किया शामिल

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने त्वचा संबंधी विकारों के उपचार के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी में त्वचा रोगों के प्रबंधन के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) जारी किए हैं, जिसमें योग को भी शामिल किया गया है। ये दिशानिर्देश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के आयुष विभाग द्वारा तैयार किए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य आयुष प्रणालियों में नैदानिक देखभाल में अधिक एकरूपता, गुणवत्ता और साक्ष्य आधारित उपचार लाना है। नए दिशानिर्देश सोरायसिस, विटिलिगो, डर्मेटाइटिस और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए आयुष देखभाल को मानकीकृत करेंगे। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये दिशानिर्देश आयुष प्रणालियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ढांचे के साथ और अधिक एकीकृत करने में सहायक होंगे।

शाली से पहले या शाली के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 हेल्थसोलॉजिस्ट
Dr. AKSAGAR BHUMS, CVD, MDC, REG. CDSMS

डॉ. सागर

धातू रोग शुक्राणु की कमी शिग्रपतन खज्जदोष निःसंतान

मैन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

☎ 8109126351 ☎ 9425257615

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फोन : 0771-3149312, मो. : 93433500569, 9516906000

Diwali Special Offer

विश्रुत बटल (अप्रेर 2027)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं ☎ 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

☎ 83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS.:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

DR. PRAJWAL SONI

M.B.B.S., M.D. Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170 9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

☎ Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) ☎ 911677722

☎ Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) ☎ 7509007388

✉ drprajwalsoni@gmail.com

